पटना ● गुरुवार, 08 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:208 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नही"

बंजरिया प्रखंड के पीडीएस दुकानदारों... 3 www. bordernewsmirror.com देवरा का नया गाना... 8

100 ग्राम 'वजन' ने किया भारतीयों का सपना चकनाचूर

लगा तगड़ा झटका, पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई रेसलर विनेश फोगाट

पेरिस (एजेंसी)। 6 अगस्त की रात विनेश फोगाट के गोल्ड मेडल का सपना लिए हर भारतीय सोया होगा, लेकिन 7 अगस्त की सुबह यह सपना चकनाचूर हो गया। पेरिस ओलंपिक गेम्स में महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग में भारत की स्टार विनेश फोगाट ने फाइनल तक का सफर एक दिन में तय कर लिया। विनेश ने 6 अगस्त को खेले गए अपने तीनों मैच जीते और फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए कम-से-कम सिल्वर मेडल पक्का कर लिया था, लेकिन इसके अगले दिन उन्हें डिस्क्वॉलिफाई कर दिया गया। विनेश का वजन 100 से 150 ग्राम ज्यादा था, जिसके चलते उन्हें अयोग्य करार दिया गया और अब उन्हें कोई मेडल नहीं मिलेगा। दरअसल ओलंपिक में कुश्ती के नियम के मुताबिक दो दिन के अंदर मुकाबले होते हैं और दोनों दिन ही हिस्सा लेने वाले पहलवानों का वजन किया जाता है। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट को तय कैटेगरी में ज्यादा वजन होने की वजह से पेरिस ओलिंपिक से बाहर होना पड़ा है। विनेश 50 केजी की कैटेगरी में खेलती हैं। बुधवार को उनका वजन करीब 100 ग्राम ज्यादा मिला। इसके बाद उन्हें ओलिंपिक महिला कुश्ती से अयोग्य घोषित कर दिया गया। भारतीय ओलिंपिक संघ ने विनेश के अयोग्य घोषित होने की पुष्टि कर दी है। वे बुधवार रात होने वाला 50 केजी कैटेगरी की विमेंस रेसलिंग का फाइनल नहीं खेल सकेंगी। उन्हें कोई मेडल भी नहीं मिलेगा। सबसे मुश्किल बात यह है कि इस फैसले के खिलाफ अपील भी नहीं की जा सकती। विनेश पहली बार 50 केजी कैटेगरी में खेल रही थीं। इससे पहले वे 53 केजी में खेलती थीं। ओलिंपिक से बाहर किए जाने के बाद विनेश फोगाट की तबीयत बिगड़ गई है।

विनेश आप चैंपियंस की चैंपियन हैं, आप पर गर्व

रेसलर विनेश फोगाट को पीएम मोदी ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला पहलवान विनेश फोगाट को ओलंपिक में करारा झटका लगा है। वह सेमीफाइनल जीतकर फाइनल मैच में उतरने वाली थीं, लेकिन वजन तय नियमों से ज्यादा पाए जाने के चलत उन्हें अयोग्य करार दे दिया गया। ओलंपिक समिति के इस फैसले से विनेश फोगाट और भारत की उम्मीदों को बड़ा धक्का पहुंचा है। इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने विनेश फोगाट के लिए एक्स पर एक पोस्ट लिखा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने लिखा, विनेश आप चैंपियंस की चैंपियन हैं। आप भारत के लिए गर्व हैं और हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि आज का झटका दुख पहुंचाने वाला है। मैं समझ सकता हूं कि इससे कितना बड़ा सदमा पहुंचा होगा। यही नहीं पीएम मोदी ने कहा कि आप चुनौतियों से आगे बढ़ने की राह बनाती रही हैं। आप और मजबूत होकर उभरेंगी। हम सभी आपके साथ हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मामले में भारतीय ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पीटी उषा से भी बात की है। उन्होंने पीटी उषा से इस मामले में पूरी जानकारी ली और यह भी पूछा है कि आखिर विनेश को बाहर किए जाने के बाद अब भारत के पास क्या विकल्प हैं। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने पीटी उषा से कहा है कि वह देखें कि आखिर विनेश फोगाट के मामले में क्या किया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस का दावा-बिभव ने स्वाति को 8 थप्पड़ मारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मारपीट केस में पुलिस ने 16 जुलाई को 500 पन्नों की चार्जशीट दिल्ली हाईकोर्ट में पेश की थी। 7 अगस्त को इसकी डिटेल सामने आई। चार्जशीट में पुलिस ने लिखा–बिभव कुमार ने स्वाति मालीवाल को 7–8 थप्पड़ मारे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चार्जशीट में लिखा है कि घटना के बाद बिभव कुमार सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ ही थे। संजय सिंह और आतिशी ने शुरुआत में माना था कि स्वाति के साथ गलत व्यवहार हुआ।

'नीतिश कुमार की राजनीतिक यात्रा अंतिम चरण में'

पटना (एजेंसी)। चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने पटना में मीडिया से बातचीत में बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह आंकलन किया है कि बिहार में बीजेपी, जेडीयू, आरजेडी या किसी भी राजनीतिक प्रतिष्ठान से जुड़े लोगों का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 100त्न लोग बदलाव चाहते हैं। प्रशांत किशोर ने इस दौरान यह भी कहा कि बिहार के लोग 'जन सुराज' को एक अवसर के रूप में देखते हैं कि वे सब मिलकर एक पार्टी बना सकते हैं ताकि खुद को राजनीतिक बंधुआ मजदूरी से मुक्ति पाने के लिए तैयार बैठे हैं। इस दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, नीतिश कुमार की राजनीतिक यात्रा अपने अंतिम चरण में है। उनके नेता मदद मांगने मेरे पास आए थे।

बांग्लादेश संकट से देश की कपड़ा इंडस्ट्री को मिलेंगे कई बड़े ऑर्डर

- विदेशी खरीदारों से हर महीने मिल सकते हैं 3500 करोड़ के ऑर्डर

मुंबई (एजेंसी)। राजनीतिक अस्थिरता के चलते बांग्लादेश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर संकट गहरा सकता है। ऐसे में इंटरनेशनल खरीदार भारत जैसे बाजारों का रुख कर सकते हैं। इससे देश के तिरुपुर जैसे टेक्सटाइल एक्सपोर्ट के बड़े केंद्रों को बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। तिरुपुर एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के प्रेसीडेंट केएम सुब्रमण्यन कहते हैं कि इस साल बांग्लादेश के एक्सपोर्ट का 10 फीसदी हिस्सा भारत आ सकता है।

इससे देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को हर महीने 3500 करोड़ रुपए का अतिरिक्त कारोबार मिल सकता है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बांग्लादेश का मासिक अपैरल और टेक्सटाइल एक्सपोर्ट 30 हजार करोड़ रुपए का है। वहीं, 12,500 करोड़ के साथ भारत चौथे नंबर पर है। यूरोपीय यूनियन व यूके को होने वाले ग्लोबल टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में बांग्लादेश की हिस्सेदारी 10 फीसदी से ज्यादा है।

बहुत जल्द खत्म होगी ईडी की अकूत ताकत !

पीएमएलए पर अपने ही फैसले की समीक्षा करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की एक विशेष पीठ विजय मदनलाल चौधरी मामले में 2022 के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी, तलाशी, जब्ती, जमानत और अन्य संबंधित प्रक्रियाओं से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कई विवादास्पद प्रावधानों को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। मुख्य समीक्षा याचिका कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने दायर की है। 25 अगस्त, 2022 को नोटिस जारी होने के बाद यह पहली बार होगा जब समीक्षा याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की एक अलग पीठ भी पीएमएलए की धारा 50 और 63 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। ये धाराएं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गवाहों को बुलाने, उनसे बयान दर्ज करवाने और गलत सूचना देने के लिए मुकदमा चलाने की शक्तियों से संबंधित हैं। इन कार्यवाहियों में विजय मदनलाल चौधरी के फैसले पर पुनर्विचार की लगातार मांग की गई है। 2022 के पीएमएलए फैसले ने 2002 के अधिनियम के तहत ईडी को दी गई व्यापक शक्तियों की पुष्टि की थी। 2002 के अधिनियम के तहत ईडी को व्यक्तियों को बुलाने, गिरफ्तारियां करने, छापे मारने और संदिग्धों की संपत्ति जब्त करने का अधिकार मिला था। न्यायालय ने इन शक्तियों को यह कहते हुए उचित ठहराया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पास देश की संपत्ति को अपराधियों से बचाने के लिए प्रभावी उपकरण होने चाहिए। 2022 का यह फैसला तब आया जब न्यायालय ने पीएमएलए कार्यवाही का सामना कर रहे विभिन्न व्यक्तियों की 200 से अधिक याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

50 सीटों पर उपचुनाव को लेकर शुरू हो गई तैयारी

राहुल, अखिलेश, शिवराज के गढ़ किसके साथ, होगा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव खत्म हुए अभी कुछ महीने ही बीते हैं कि अब उपचुनाव का दौर शुरू होने वाला है। इस साल के अंत तक देश की 50 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इनमें कई सीटें लोकसभा की हैं तो ज्यादातर विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। ये सीटें उन विधायकों के इस्तीफे से खाली हुई हैं, जो अब सांसद बन चुके हैं या फिर दो जगहों से लड़ने के चलते एक लोकसभा सीट खाली की है। माना जा रहा है कि इन सीटों पर हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और झारखंड जैसे राज्यों में विधानसभा चुनाव के साथ ही वोटिंग कराई जा सकती है। उत्तर प्रदेश में ही 10 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होनी है, जिनमें से एक सीट अखिलेश यादव के इस्तीफे से खाली मैनपुरी की करहल है। इसके अलावा अयोध्या के सांसद बने अवधेश प्रसाद की सीट मिल्कीपुर भी है। वह अब तक यहीं से विधायक थे। गाजियाबाद, कुंदरकी जैसी सीटों पर भी चुनाव होना है। वहीं मध्य प्रदेश में पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान की विधानसभा सीट बुधनी में भी चुनाव होगा। अब वह विदिशा सीट से सांसद बन चुके हैं।

- **बंगाल की भी 6 सीटों पर उपचुनाव, बिहार और पंजाब में 4-4-उपचुनाव में**

सबसे ज्यादा यूपी की सीटें हैं तो दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल है। यहां 6 सीटों पर उपचुनाव होगा। इसेक अलावा असम और राजस्थान में 5–5 सीटों पर वोटिंग होगी। बिहार और पंजाब में 4–4 सीटों पर उपचुनाव होना है। बता दें कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी भी रायबरेली और वायनाड सीट से लड़े थे। उन्होंने चुनाव के बाद रायबरेली से सांसद बने रहने का फैसला लिया और वायनाड से इस्तीफा दे दिया। अब वायनाड से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनाव लड़ रही हैं। नियम के अनुसार किसी भी सीट को 6 महीने से ज्यादा खाली नहीं रका जा सकता। ऐसे में ज्यादातर सीटों पर नवंबर तक मतदान करा लिया जाएगा।

कोटे में कोटा पर एससी के फैसले पर रार के आसार !

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने डेढ़ घंटे की बैठक, नहीं बन पाई रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस कोटे में कोटा पर आगामी दिनों में बड़ा कुछ करने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी के मद्देनजर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने मंगलवार की शाम पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर लंबी बैठक की। बैठक के बाद पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले, जिसमें एससी/एसटी कैटगरी का उप

वर्गीकरण करने को मंजूरी दी गई है, पर पार्टी नेताओं ने डेढ़ घंटे तक चर्चा की है। जयराम रमेश ने कहा, मीटिंग में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के अलावा अन्य सांसद और नेता मौजूद थे। इस बैठक का विषय सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला था। जयराम रमेश ने कहा कि एससी/एसटी आरक्षण और कोटा के अंदर कोटा के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस अध्यक्ष मुख्यमंत्रियों-प्रदेश अध्यक्षों से भी बातचीत करेंगे।

लाडली बहनों को 'रक्षा शगुन' देगी एमपी सरकार

सीएम मोहन यादव का बड़ा ऐलान, अबकी मिलेंगे 1500 रुपए

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश सरकार ने आगामी रक्षाबंधन पर 'लाडली बहनों' को शगुन देने के लिए अपना दिल और सरकार का खजाना खोल दिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए रक्षाबंधन समारोह में लाडली बहना योजना की सभी लाभार्थियों को 250 रुपये शगुन के साथ कुल 1500 रुपये देने का ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन और कृष्ण जन्माष्टमी को राज्यभर में धूमधाम से मनाएगी। रक्षाबंधन की तैयारियों पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कहा, इस बार रक्षाबंधन 19 अगस्त को है, इसलिए हमने तय किया है कि इसे 10 अगस्त से सभी पंचायतों, वार्डों और जिलों में 25,000 स्थानों पर मनाया जाएगा, क्योंकि यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक कदम है।

इस अवसर पर, मध्य प्रदेश सरकार लाडली बहना योजना की लाभार्थियों के खातों में 1250 रुपये के साथ अतिरिक्त 250 रुपये शगुन के तौर पर ट्रांसफर करेगी। सीएम यादव भोपाल स्थित पार्टी कार्यालय में भाजपा की बैठक को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। इसके अलावा सीएम यादव ने प्रदेश के 55 जिलों में पुलिस बैंड के गठन की भी घोषणा की, जो स्वतंत्रता दिवस परेड में भाग लेंगे। पुलिस बैंड के गठन के बारे में जानकारी देते हुए मोहन यादव ने कहा कि 15 अगस्त तक हर जिले में पुलिस बैंड तैयार हो जाएंगे।

वक्फ बोर्ड में शामिल होंगे गैर-मुस्लिम और महिलाएं

जमीन को लेकर नहीं चलेगी मनमानी, जल्द आ रहा बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ अधिनियम 1995 की 44 धाराओं में संशोधन करने वाला एक विवादास्पद विधेयक गुरुवार को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। ऐसा कहा जा रहा है कि संशोधन के बाद गैर-मुस्लिम व्यक्तियों और मुस्लिम महिलाओं को भी केंद्रीय और राज्य वक्फ निकायों में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, 1923 के वक्फ अधिनियम को खत्म करने के लिए एक और विधेयक पेश किया जाएगा। इस बिल को पेश किए जाने से पहले मंगलवार रात को इसकी कॉपी लोकसभा सदस्यों को दे दी गई। सरकार वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले 1995 के कानून में संशोधन करने के लिए संसद में एक विधेयक लाने वाली है ताकि इनके कामकाज में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके तथा इन संस्थाओं में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित हो सके। रिपोर्ट के मुताबिक, संशोधन के तहत 1995 के कानून का नाम बदलकर यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एंपावरमेंट एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट एक्ट कर दिया जाएगा। इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन करना है। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करने वाला विधेयक वक्फ बोर्ड के लिए अपनी संपत्तियों का वास्तविक मूल्यांकन सुनिश्चित करने को लेकर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर देगा।

रुला देगी बांग्लादेश से भारत लौटने वालों की आपबीती

कोई छत से कूदा तो किसी ने पैदल चलकर बचाई अपनी जान

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल के उत्तरी 24 परगना में बोंगांव के पास पेट्रापोल के जॉइंट चेकपोस्ट पर ऐसे लोगों की लाइन लगी है, जो नाटकीय तरीके से भारत की सीमा तक पहुंचे थे। जान बचाने के लिए लोग रात भर पैदल चलते रहे। कई लोगों ने चंद किलोमीटर तय करने के लिए हजारों रुपये खर्च कर दिए। हंगामा, हत्या और शोर के बीच मंदिर में शरण लेने वाले कई हिंदू परिवारों की जान स्थानीय लोगों ने बचाई। मगर हालत ऐसी है कि बांग्लादेश में हिंसा के बीच हजारों लोग जान बचाने के लिए घर छोड़कर भारत जा रहे हैं। इनमें कई ऐसे भारतीय भी हैं, जो काम के सिलसिले में बांग्लादेश गए और वहां मौत के मुंह में फंस गए। पेट्रापोल के बस टर्मिनल में लोग अभी भी गाड़ियों का इंतजार कर रहे हैं, ताकि वह अपने घर पहुंच सकें। मंगलवार को टूटे पैर के साथ 36 साल के शाहिद अली एंबुलेंस से पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल बॉर्डर पर पहुंचे। सोमवार को वह जबीर इंटरनेशनल होटल में थे। मूलरूप से असम के रहने वाले शाहिद वहां आवामी लीग के पदाधिकारी के साथ होटल के कमरे में थे। इस बीच उग्र भीड़ ने हमला किया।

मुजफ्फरपुर में महिला शराब धंधेबाज गिरफ्तार

5 सालों से सब्जी की दुकान पर बिक्री करती थी, छापेमारी कर जब्त की शराब

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में शातिर महिला शराब धंधेबाज को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके पास से बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुआ है। शातिर महिला धंधेबाज पिछले 5 साल से सब्जी की दुकान में शराब की बिक्री करती थी। दरअसल, मुजफ्फरपुर मध निषेध की पुलिस टीम को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की अहियापुर थाना के शेखपुर ढाब के एक इलाके में एक महिला शराब का कारोबार में काफी सक्रिय है।सूचना के आधार पर दरोगा सोनी महिवाल के नेतृत्व में एक टीम ने महिला के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान महिला के बेड के नीचे से प्रतिबंधित शराब की कई कार्टून बरामद किया गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने शराब को जब्त करते हुए महिला को पकड़ा। थाना पर पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि वो पिछले 5 सालों से सब्जी बेचने के नाम पर शराब का कारोबार करती थी। गिरफ्तार महिला कारोबारी की पहचान मुन्नी देवी के रूप में हुई है। मध्य निषेध थाना की पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुटी हुई है।

इंस्पेक्टर शिवेंद्र कुमार ने बताया कि छापेमारी के दौरान महिला के घर से 173 लीटर शराब बरामद किया है। महिला सब्जी कारोबारी है। इसके आड़ में शराब की बिक्री करती थी। इन्हें गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कपड़ा दुकानदार को गोली मारने वाले मामले में प्राथमिकी

शॉप बंद कर बड़े भाई के साथ लौट रहा था घर, पीछा कर बाइक रुकवाई...फिर मारी गोली

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के सिकरहटा थाना क्षेत्र अन्तर्गत फतेहपुर-रामनगर मार्ग पर सिकरौल पुल के पास सोमवार की रात कपड़ा दुकानदार सुनील सिंह को लूटपाट के दौरान गोली मारे जाने में संलिप्त अपराधी फतेहपुर बाजार की ओर से ही पीछे लगे थे। इस दौरान ओवरटेक कर पहले गाड़ी रोकी थी। फिर लूटपाट किए थे। इसके बाद रेडीमेड कपड़ा दुकानदार को गोली मार दी थी। वारदात को अंजाम देने के बाद फिर फतेहपुर की ओर भाग गए थे। इसे लेकर घायल दुकानदार ने दो अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। इधर, आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में प्रसिद्ध सर्जन

डा. विकास सिंह ने गोली से जख्मी कपड़ा दुकानदार का सफल आपरेशन कर उनकी जान बचायी। इधर, सर्जन चिकित्सक विकास सिंह ने बताया कि जख्मी दुकानदार को गोली सीने के बीचो-बीच पर लगी थी, जो पेट के निचले हिस्से में जाकर फंस गई थी। गोली लगने के कारण दुकानदार का लीवर,छोटी एवं बड़ी आंत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। आपरेशन कर फंसे बुलेट को निकाल दिया गया है और तीनों क्षतिग्रस्त पार्ट की बाईपास सर्जरी भी कर दी गई है। अभी मरीज की स्थिति बिल्कुल ठीक है। हालांकि, अभी निगरानी में ही रखा गया है। जानकारी के अनुसार जख्मी दुकानदार सिकरहटा थाना क्षेत्र के पटखौली गांव निवासी सुरेंद्र सिंह के 35 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार है। बता दें कि सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर रामनगर नहर मार्ग पर सिकरौल पुल के समीप सोमवार की रात हथियारबंद बदमाशों ने पहले गाली देते हुए दुकानदार की बाइक रूकवाई थी। इसके बाद सोने का लाकेट व दस हजार नकदी छीन उन्हें गोली मार दी थी। हालांकि, सीएसपी संचालक भाई राजेश का नकदी बच गया है। पहले घायल को पीरो पीएसची में प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल,आरा लाया गया था। हालांकि, डाक्टर ने स्थिति को देखकर पीएमसीएच,पटना रेफर कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

मातृ शक्ति दुर्गा वाहिनी ने शिवभक्तों को पिलाया शर्बत

पूर्णिया, एजेंसी। सावन माह के पवित्र दिन पर विश्व हिन्दू परिषद् के महिलाओं का आयाम मातृ शक्ति और युवतियों का आयाम दुर्गा वाहिनी अमौर द्वारा शिव दुर्गा मंदिर प्रांगण में शिविर लगाकर शिवभक्तों एवं श्रद्धालुओं को शर्बत और नींबू पानी श्रद्धा-भक्ति भाव से पिलाया गया। सेवा शिविर का आयोजन अमौर मातृशक्ति शक्ति नगर संयोजिका बेबी देवी एवं अमौर प्रखंड उपाध्यक्ष सोनी चौधरी के नेतृत्व में किया गया। अमौर की नारी शक्तियों ने पहली बार सामूहिक रूप से इतने बड़े आयोजन कर हजारों श्रद्धालु और शिवभक्तों को शर्बत और नींबू पानी अपने हाथों से पिलाया। सेवा शिविर को सफल बनाने में मातृ शक्ति पदाधिकारी और सदस्या सोनी चौधरी, बेबी देवी, रानी देवी, खुश्बू देवी,हेमंती देवी, प्रतीमा राय, अंजलि गुप्ता,जसीका चौधरी, कल्पना देवी, राजेश्वरी देवी, गुड़िया देवी,पुनम देवी, मधु देवी, सुनिता देवी,रींकी देवी, पार्वती देवी,छेमा देवी, नीलम देवी, दुर्गा वाहिनी की ज्योति कुमारी आदि का योगदान रहा।

हाटी पंचायत के कठुआर गांव में कटाव हुआ तेज

सहरसा, एजेंसी। कोसी नदी के जलस्तर में कमी के बावजूद हाटी पंचायत के कठुआर गांव में कटाव की रफ्तार तेज हो गई है। कटाव के कारण गांव के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा हैं। बीते तीन दिनों से जारी कोसी के तेज कटाव में दर्जनों एकड़ फसल लगी खेत फसल कोसी नदी में विलीन हो गया है। हाटी पंचायत के वार्ड नं. 6 एवं 7 में भीषण कटाव से बचाव को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा पेड़ काटकर झाड़ियों से बचाव का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन कटनिया के रफ्तार में कोई बदलाव नहीं आ रहा है। दो साल पहले भी कोसी नदी की तेज कटाव की जद में आने से पांच दर्जन से अधिक परिवारों को गांव से विस्थापित होना पड़ा था। इस वर्ष भी कोसी नदी के कटाव से पूरे गांव के विस्थापित होने का भय सताने लगा है। कटाव के मुहाने पर घर बनाकर रह रहे मौली यादव, भीम यादव, तेतर मंडल, विजय यादव, भागवत मुखिया, विनोद यादव सहित अन्य लोगों ने जिला प्रशासन से गांव के कटाव से बचाव को लेकर ग्राम सुरक्षा कार्य करने की मांग की है। उप प्रमुख प्रतिनिधि चंद्र किशोर यादव, पंसस राकेश कुमार मंडल, जीतु यादव सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कटाव से बचाव को लेकर तत्काल प्रभाव से बचाव कार्य शुरू करने की मांग जल संसाधन विभाग के अभियंता से की है।

मेला में डांस को लेकर ऑडिशन 25 को

सहरसा, एजेंसी। क्षेत्रीय युवाओं के प्रतिभाओं को निखारने के लिए बनगांव में कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय मेला में 26 अगस्त को डांस प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। मेला समिति अध्यक्ष अमित कुमार झा एवं मनोरंजन कुमार खां के अनुसार इसमें भाग लेने बाले प्रतिभागियों का मुफ्त में निबंधन किया जा रहा है। सभी प्रतिभागी का ऑडीशन 25 अगस्त को स्थानीय बाबाजी कुटी परिसर में आयोजित की जाएगी। सफल तीन प्रतिभागियों को क्रमशः दस हजार, साढ़े सात हजार एवं पांच हजार रुपए दे पुरस्कृत किया जाएगा। डांस प्रतियोगिता आयोजित किए जाने से युवाओं में उत्साह ब्याप्त है।

पुलिस को चकमा देकर कोर्ट से भाग घर पहुंचा बेटा, मां खुद ले आई जज के पास

गया, एजेंसी। गया जिले के डेल्हा थाना के फायरिंग मामले में गया केंद्रीय कारा विचाराधीन बंदी साहिल पासवान मंगलवार को पेशी के लिए एडीजे-04 के न्यायालय जाने के क्रम में फरार हो गया और कोतवाली थाना क्षेत्र के बगला स्थान पहसी मोहल्ला स्थित अपने घर पहुंच गया। घर पर बेटा को देखकर मां भौचक रह गई। बेटा को तत्काल मां ने फरारी के एक घंटे के अंदर एडीजे-04 के समक्ष प्रस्तुत करा दी। फरार विचाराधीन बंदी के वापस लौटने के बाद पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। विचारधीन बंदी को न्यायालय द्वारा पुन गया केंद्रीय कारा भेज दिया गया। एएसपी नगर पीएन साहू ने बताया कि साहिल पासवान बीते दो माह से डेल्हा में फायरिंग एवं अन्य अपराधिक मामले में गया केंद्रीय कारा में बंद था। मंगलवार को उसे पेशी के लिए लाया गया था। उस बंदी के साथ पांच अन्य बंदी भी थे। इन्हें हवलदार भागलाल यादव सहित पांच जवान कोर्ट के हाजत से एडीजे-04 के न्यायालय में लाया। हवलदार ने सभी बंदियों को कोर्ट रूम में रखा। इसी दौरान साहिल पासवान ने पुलिस को चकमा देकर वहां से फरार हो गया। कोर्ट से फरार होने की सूचना पर अफरातफरी मच गई।

सिपाही भर्ती परीक्षा से पहले फर्जी आंसर शीट मिली, सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड समेत 10 गिरफ्तार

खगड़िया के मैरिज हॉल में कैंडिडेट्स को रखा था

पटना, एजेंसी। बिहार में आज 38 जिलों में 545 सेंटर्स पर पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा ली जा रही है। करीब 18 लाख कैंडिडेट्स इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त तक चलेगी। परीक्षा से पहले खगड़िया में फर्जी आंसर शीट और प्रश्न पत्र मिले हैं। मंगलवार की देर रात पुलिस टीम ने छापेमारी कर सॉल्वर गैंग के मास्टरमाइंड सहित 10 लोगों को पकड़ा है। पुलिस को जानकारी मिली थी कि सॉल्वर गैंग 90 कैंडिडेट्स को एक मैरिज हॉल में इकट्?ठा कर ओएमआर शीट पर प्रश्न सॉल्व करवा रहा है। मास्टरमाइंड परबत्ता प्रखंड के नयागांव का रहने वाला है। आरोपी दिवाकर कुमार ने परीक्षार्थियों से एक-एक लाख रुपए लिए थे। सभी कैंडिडेट्स को प्रश्नपत्र देने की बात कही गई थी। पुलिस ने मैरिज हॉल से पकड़े गए सभी परीक्षार्थियों का सत्यापन कर परीक्षा में शामिल होने के लिए छोड़ दिया है। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। खगड़िया के एसपी चंदन कुमार कुशवाहा आज इसे लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। परबत्ता पुलिस को मौके पर से परीक्षा से जुड़े फर्जी ओएमआर सीट सहित कई प्रश्नपत्र भी मिले हैं।

38 जिलों में बनाए गए 545 सेंटर

बता दें कि परीक्षा 7 अगस्त से 28 अगस्त के बीच होगी। इसके लिए 38 जिलों में 545 सेंटर बनाए गए हैं। पटना के परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी पहुंचने लगे हैं। टीपीएस कॉलेज के बाहर बड़ी संख्या में परीक्षा देने के लिए अभ्यर्थी आ गए हैं। इस सेंटर पर पुरुष अभ्यर्थियों के साथ महिला अभ्यर्थियों की भी संख्या काफी है। केंद्र पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। भारी संख्या में फोर्स की तैनाती की गई है। वहीं, बोरिंग रोड स्थित एएन कॉलेज सेंटर पर भी बड़ी संख्या में अभ्यर्थी पहुंचे हैं। परीक्षा 7, 11, 18,21, 25 और 28 अगस्त को होगी। एक ही शिफ्ट में दोपहर 12:00 से लेकर 2:00 तक परीक्षा ली जाएगी। 21,391 खाली पदों पर योग्य उम्मीदवारों की भर्तियां की जाएगी। इसके लिए लगभग 17 लाख 87 हजार 720 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। चयन पर्षद की ओर से जारी गाइडलाइन का पालन एग्जाम सेंटर पर सभी अभ्यर्थियों को अनिवार्य रूप से करना होगा। स्थानीय पुलिस की ओर से कोंचिंग सेंटर, हॉस्टल, लॉज आदि की निगरानी पहले से ही की जा रही है।

अब अस्पतालों में मिलेंगी आयुर्वेदिक होमियोपैथिक और यूनानी दवाइयां

पटना, एजेंसी। राज्यभर के अस्पतालों में तैनात आयुष चिकित्सक जल्द ही आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक और यूनानी दवाइयां भी मरीजों को लिख सकेंगे। अगले डेढ़ से दो महीने में राज्यभर के पीएचसी, यूपीएचसी, आयुष हेल्थस एंड वेलनेस सेंटर समेत सभी अस्पतालों में आयुर्वेदिक, यूनानी, होमियोपैथिक दवाइयों की खेप पहुंच जाएगी। राज्य आयुष समिति द्वारा कुल 250 प्रकार की दवाइयों की सूची बनाई गई है। इनमें 50 पेटेंटेड दवाइयां भी शामिल हैं। आयुष समिति के नोडल पदाधिकारी डॉ. धनंजय शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय आयुष मिशन के मानक के अनुसार ही इन दवाइयों की सूची तैयार की गई है। ये सभी दवाइयां जरूरी औषधि सूची(एसेंशियल ड्रग लिस्ट) में शामिल हैं। इसमें चूर्ण, वटी, मलहम, आईड्रॉप, तेल, आसव, अवलेह आदि शामिल हैं। आयुर्वेद के अलावा यूनानी की 222 प्रकार और होम्योपैथिक की 200 प्रकार की दवाइयों की भी सूची आयुष समिति द्वारा तैयार की गई है। डॉ. धनंजय शर्मा ने बताया कि दवाइयों की मंजूरी के लिए स्वास्थ्य विभाग

को भेजा गया है। अगले एक सप्ताह में विभाग से मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके बाद दवाइयों की आपूर्ति के लिए निविदा आमंत्रित की जाएगी। उसके बाद चयनित एजेंसी द्वारा दवाइयों की आपूर्ति की जाएगी। पूरी प्रक्रिया में लगभग 40 से 45 दिन लग जाएंगे। बताया कि दवाइयों में क्षेत्र विशेष में किसी विशेष बीमारी के लिए भी अलग से दवाइयां भेजी जाएंगी। जिस क्षेत्र में जिस बीमारी की दवा की मांग होगी, उस क्षेत्र में उसकी दवा मांग के अनुसार आपूर्ति की जाएगी।

जिला देसी चिकित्सा पदाधिकारी फिलहाल बाजार से ले सकते हैं दवा

राज्य आयुष समिति द्वारा सभी जिले में तैनात जिला देसी चिकित्सा पदाधिकारी को जरूरत के अनुसार दवाइयां खरीदने के अधिकार दिए गए हैं। इसके लिए उन्हें राशि भी भेजी गई है। डॉ. धनंजय शर्मा ने बताया कि अस्पतालों में जरूरत के अनुसार ये अधिकारी दवा की खरीद स्थानीय जरूरत के अनुसार कर सकते हैं।

बिहार में पुरुषों में स्तन कैंसर के मामले बढ़े, डॉक्टरों ने बताया- क्या है वजह और लक्षण

पटना, एजेंसी। अब पुरुषों को भी स्तन कैंसर सताने लगा है। एकाध दशक तक पूर्वी बिहार, कोसी-सीमांचल के जिलों में पुरुषों में स्तन कैंसर के मामले मिलते ही नहीं थे, लेकिन हाल के दिनों में इसके मामले तेजी से मिलने लगे हैं। हालांकि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में मिल रहा स्तन कैंसर का मामला बहुत ही कम है, लेकिन इसकी बढ़ती रफ्तार से चिकित्सक भी चिंतित हैं और पुरुषों में स्तन कैंसर बढ़ने की वजह पुरुषों में हो रहे हार्मोनल बदलाव को जिम्मेदार बता रहे हैं। जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (मायागंज अस्पताल) के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार बताते हैं कि पांच साल पहले तक जिले में पुरुषों के स्तन कैंसर के मामले तकरीबन न के बराबर मिलते थे। लेकिन साल 2022 व 2023 में जहां एक व दो मामले तो वहीं इस साल यानी साल 2024 में अब तक (जुलाई तक) तीन मामले मिल चुके हैं।

इनमें से एक मरीज तिलकामांझी, दूसरा मधेपुरा तो तीसरा किशनगंज जिले का है। बड़ी बात ये कि इनकी उम्र 40 से लेकर 55 साल के बीच रही। किशनगंज जिले में रहने वाले कारोबारी कुछ दिनों से छाती की चमड़ी में लालपन से परेशान थे। वे जेएलएनएमसीएच में इलाज व जांच को पहुंचे। वहीं तिलकामांझी निवासी बैंककर्मी के ब्रेस्ट के आसपास चमड़ी में लालपन आ रहा था। डॉक्टर को दिखाया तो उन्होंने कुछ दवा दी, बाद में सूजन आ गई। उनकी सोनोग्राफी व बायोप्सी की गई तो पता चला कि ब्रेस्ट कैंसर है। परिवार में पहले किसी को भी किसी भी टाइप का कैंसर नहीं हुआ। वहीं मधेपुरा जिला निवासी 43 वर्षीय युवक को छह माह पहले स्तन में गांठ जैसा महसूस हुआ और उसे लगातार खुजाने को उनका मन हो रहा था। कुछ दिन में उसे खुजाने पर पानी जैसा निकलने लगा तो डॉक्टर को दिखाया, जहां जांच में वे ब्रेस्ट कैंसर के मरीज मिले।

ब्रेस्ट कैंसर की क्या वजह

असिस्टेंट प्रोफेसर. डॉ. पंकज कुमार ने कहा कि ब्रेस्ट कैंसर के मामले अब पुरुषों में भी सामने आ रहे हैं। इसका मुख्य कारण हार्मोनल असमानता है। इसे नजरंदाज करने के बजाय विशेषज्ञ की राय लेकर जांच करवाएं। चूंकि पुरुषों के ऊतक में ज्यादा फैट नहीं होता, इसलिए उनमें ब्रेस्ट कैंसर तेजी से बढ़ता है। इसे सर्जरी कर जड़ से खत्म किया जाता है। बकौल डॉ. पंकज, आमतौर पर पुरुषों में 40-45 साल बाद ब्रेस्ट कैंसर की समस्या सामने आ रही है।

महिलाओं में कम उम्र में यह जल्द खतरनाक स्थिति में पहुंच जाता है। पुरुषों में कम उम्र वाले को ब्रेस्ट कैंसर तेजी से नहीं फैलता, ज्यादा उम्र वालों में फैलता है। वहीं अगर समय पर इलाज न कराया जाए तो ये ब्रेस्ट से बढ़कर शरीर के अन्य अंगों को कैंसर की जद में ला सकता है। वहीं महिलाओं की तुलना में पुरुषों में होने वाला स्तन कैंसर का रिकवरी रेट महज एक प्रतिशत है। ऐसे में इसका लक्षण दिखे या आशंका हो तो तुरंत चिकित्सक से मिलकर इलाज करा लें।

भोजपुर में फायर ब्रिगेड के दरोगा की मौत

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव में मंगलवार को संदेहास्पद स्थिति में फायर ब्रिगेड पुलिस के एक दरोगा की मौत हो गई। ऑन ड्यूटी तबीयत खराब होने पर घर लाया गया। इसके बाद डॉक्टर को दिखाने ले जाने वक्त उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के होरिल छपरा गांव निवासी स्व.महाजन पासवान के बेटे रामेश्वर पासवान(54) है। वह वर्तमान में नवादा थाना क्षेत्र के बहिरो गांव में अपना मकान बनाकर रहते थे।

रामेश्वर पासवान फायर ब्रिगेड में दरोगा के पद पर थे। वर्तमान में पटना जिला के पटना सिटी में कार्यरत थे। इधर, मृतक के बेटे शैलेंद्र कुमार ने बताया कि करीब साढ़े 3 साल पहले उन्हें पैरालिसिस (लकवा) मार दिया था। इसके कारण वह बीमार चल रहे थे। उनका इलाज भी चल रहा था। वह घर पर ही थे। तभी उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई, इससे उनकी मौत हो गई।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा : हालांकि, परिजन अपनी संतुष्टि को लेकर उन्हें आरा सदर अस्पताल लेकर आए थे। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंचे और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया।

मृतक के घर में कोहराम : बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी आशा देवी और 4 बेटे मुन्ना पासवान, मुकेश पासवान, शैलेंद्र पासवान, मन्नू पासवान और 1 बेटी सरिता देवी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी आशा देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल था।

पत्नी को एसिड पिलाया..गला घोंटा फिर लाश नदी में फेंकी

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में पति ने मामी के साथ अवैध संबंध का विरोध करने पर पत्नी की हत्या कर दी। मो.फैयाज(25) ने पहले जबरन पत्नी को एसिड पिलाई उसके बाद गला घोंटकर मार डाला। वारदात को छिपाने के लिए अपनी प्रेमिका रीना खातून(30) के साथ मिलकर फैयाज ने पत्नी की लाश को कोसी नदी में फेंक दिया। 4 अगस्त को मृतक शबनम के घर वालों की बेटी की हत्या की जानकारी मिली। उसके बाद केस दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। मामला रंगरा थाना के जहांगीरपुर बैसी का है। पुलिस ने इस मामले मंगलवार को मो.फैयाज और रीना खातून को अरेस्ट कर लिया है।

मामी के साथ अवैध संबंध

इस संबंध में एसडीपीओ ओम प्रकाश ने बताया कि शबनम खातून की शादी जहांगीरपुर बैसी में मो.फैयाज(25) के साथ 2 साल पहले हुई थी। फैयाज का अवैध संबंध अपनी शादीशुदा मामी रीना खातून के साथ था। शबनम खातून पति के अवैध संबंधों का विरोध करने लगी। इस बात को लेकर पति और रीना खातून उसके साथ अक्सर मारपीट होती थी।

4 अगस्त को बेटी की हत्या की खबर मिली

4 अगस्त को मृतक की मां समीमा खातून को जानकारी मिली कि उनकी बेटी शबनम खातून की दामाद और उसकी मामी ने मिलकर हत्या कर दी है। शव को गंगा नदी में फेंक दिया। इसके बाद समीमा खातून ने रंगरा थाना में केस दर्ज किया कराया। घटना की सूचना मिलने पर रंगरा थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई में जुट गई। तकनीकी अनुसंधान और साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल मो.फैयाज और रीना खातून को गिरफ्तार किया गया।

टॉयलेट के पास पिलाया एसिड : आरोपियों ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर

लिया। आरोपी पति ने बताया कि शबनम खातून को 4 अगस्त की रात टॉयलेट के पास ले जाया गया। फिर दोनों ने मिलकर जबरदस्ती उसे पटक कर पहले टॉयलेट साफ करनेवाला एसिड पिलाया। इससे वह छटपटाने लगी, तो उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। फिर लाश को ठिकाने लगाने के लिए उसे कोसी नदी में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी के घर से एसिड का बोतल बरामद कर लिया है। वहीं शबनम खातून के शव की बरामदगी की कोशिश की जा रही है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

बंजरिया प्रखंड के पीडीएस दुकानदारों के साथ अनुमंडल पदाधिकारी ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन के सभागार में सदर अनुमंडल पदाधिकारी श्रेष्ठ अनुपम के द्वारा जिला के बंजरिया प्रखंड के सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सभी दुकानदारों के साथ बैठक कर खाद्यान्न वितरण के संबंध में जरूरी निर्देश दिए गए। अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि सचिव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार सरकार के द्वारा निर्देश प्राप्त है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सभी लाभुकों का ई-केवाईसी अद्यतन किया जाए। किसी भी उपभोक्ता का ई-केवाईसी छूटा नहीं होना चाहिए। इसके लिए भी सभी डीलरों को दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपस्थित सभी डीलरों से एक-एक कर उनकी समस्याओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को पारदर्शी एवं बिल्कुल स्वच्छ बनाई जाए। सभी उपभोक्ताओं को ससमय खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि घटतौली की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। एसडीओ ने कहा की वे स्वयं क्षेत्र भ्रमण के दौरान पीडीएस लाभूकों से मिलकर फीडबैक प्राप्त करेंगे। कहीं से भी शिकायत मिलने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। अनुमंडल पदाधिकारी ने विक्रेताओं को आस्वस्थ भी किया कि किसी के प्रभाव या प्रलोभन में आने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि पीडीएस का कोई भी दुकानदार कभी भी अपनी समस्या लेकर मिल सकते हैं या बता सकते हैं। एसडीओ के द्वारा सभी पीडीएस दुकानदारों को आयुष्मान कार्ड बनाने के दिए गए टास्क में हर संभव सहयोग करने और इस कार्य में तेजी लाकर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी के साथ प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, बंजरिया भी उपस्थित थे।

रेलवे गेटमैन को अज्ञात अपराधियो ने मारी गोली, स्थिति गंभीर

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल-सुगौली रेलखंड में मसानाडीह हॉल्ट के पास फाटक संख्या 14ए पर कार्यरत गेटमैन अंसारुल हक को अज्ञात अपराधियो ने गोली मार दी। इस हमले में गेटमैन गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये।घायल गेटमैन की पहचान पलनवा थानाक्षेत्र के जैतापुर बिंदवा टोला निवासी फिरोज आलम के बेटे के तौर पर हुई है। घायल गेटमैन का रक्सौल एसआरपी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।जहां उसका ऑपरेशन किया जा रहा है। डॉक्टर ने बताया कि स्थिति सामान्य है। कुछ घंटे बाद ही कुछ कहा जा सकता है। अस्पताल में पहुंचे घायल गेटमैन के परिजनों के अनुसार घटना के कारणो की कोई स्पष्ट जानकारी नही मिल पा रही है। परिजनों ने बताया कि गेटमैन अंसारुल हक की रात्रि ड्यूटी चल रही थी। रोज की तरह घर से पांच बजे ड्यूटी के लिए निकला था। ड्यूटी पर जाने के बाद से बातचीत नहीं हुई थी। घटना मंगलवार की दो बजे रात में हुई है।वही रेलवे के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि देर रात करीब दो ढाई बजे के करीब घायल ने स्वयं फोन कर घटना की सूचना दी।जिसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया,साथ ही घरवालों को सूचित किया गया। जीआरपी प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।परिजनो ने बताया है,कि गांव में इनसे एक व्यक्ति के साथ बच्चों के विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था।ऐसे में इस बिंदु पर भी जांच की जा रही है।वही घटना को लेकर ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्पलाइज यूनियन के जोनल जॉइंट सेक्रेट्री रत्नेश वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर रेल कर्मचारियों के जान- माल की सुरक्षा पर बिशेष ध्यान देने की मांग की है,साथ ही कहा है,कि सभी रेलवे समपार फाटकों व गेट पर सीसीटीवी लगाया जाए । गेट परिक्षेत्र और रेलवे ट्रेक-क्षेत्र में सुरक्षा का पुख्ता बन्दोबस्त करते हुए रात्रि गस्ती टीम के द्वारा ट्रेक क्षेत्र में पेट्रोलिंग कराया जाए । इस घटना की निष्पक्ष जांच क्राइम ब्रांच की टीम से कराने की मांग की है।

नेपाल सीमा से सटे एक कबाड़ दूकान से भारी मात्रा में जानवर की हड्डी बरामद

कबाड़ कारोबारी फरार उसकी पत्नी से एसएसबी की महिला बटालियन कर रही पूछताछ

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल सीमा से सटे जिले के हरैया थाना क्षेत्र के भरतमही गांव में मंगलवार एक कबाड़ दूकान से एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में जानवर की हड्डी बरामद किया गया।बताया जा रहा है,कि भेलाही से नोनियाडिह जाने वाले रास्ते पर तिलावे पुल के नजदीक स्थित इस कबाड़ की दुकान में वर्षो से जानवरों की हड्डी की कारोबार चल रहा था। मंगलवार को भी यहां से भारी मात्रा में जानवर की हड्डी को जमा कर दूसरे जगह भेजने की तैयारी थी, इसी दौरान एसएसबी की टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए जानवर की हड्डी बरामद कर ली गयी। पुलिस व एसएसबी अधिकारियो के अनुसार पदाधिकारी कबाड़ दूकान को संजय चौरसिया नामक व्यक्ति संचालित करता है, जिसका घर भरतमही गांव में ही है और छापेमारी के बाद से संजय चौरसिया फरार है। इस छापेमारी के पूर्व एसएसबी सिसवा कैंप की टीम के द्वारा कैंप के पास से एक पीकअप को पकड़ा गया। जिसपर जानवर की हड्डी से भरा हुआ, 70 से अधिक बोरा लोड था। वहीं एक दूसरे पीकअप पर लोडिंग के दौरान कबाड़ में छापेमारी की गयी तो वहां रखे सैकड़ो बोरा जानवरों का हड्डी बरामद किया गया। हड्डी कारोबारी के पत्नी से एसएसबी की टीम पूछताछ कर रही है। पीकअप चालक राजन कुमार पासवान ने बताया कि संजय चौरसिया नामक व्यक्ति उसे धान लोडिंग के नाम पर भाड़ा पर लेकर आया था, यहां आने पर जानवर की हड्डी लोड करने लगा, तब तक एसएसबी की टीम ने छापेमारी कर दी। मौके पर मौजूद हरैया थाना पुलिस के अनुसार मंगलवार देर रात तक छापेमारी की कार्रवाई चल रही है।जिसके बाद वरीय पदाधिकारियो के निर्देश पर अग्रतर कारवाई की जायेगी।

डीएम, एसपी ने सिपाही भर्ती परीक्षा केन्द्र का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) बिहार,पटना द्वारा आयोजित सिपाही के पद पर नियुक्ति के लिए लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्रा के द्वारा जिला नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया गया एवं वहां लगे केंद्रीकृत सीसीटीवी प्रणाली के माध्यम से परीक्षा संचालन की प्राप्त की गई। इसके पश्चात जिलाधिकारी के द्वारा एमएस कॉलेज, एलएनडी कॉलेज एवं पंडित उगम पांडेय महाविद्यालय परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया एवं परीक्षा संचालन की जानकारी प्राप्त की गई।

नौ लाख नेपाली रुपये के साथ भारतीय सीमा में दो नेपाली युवक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

बांग्लादेश में उपजे आंदोलन के बाद भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में बरती जा रही चौकसी के दौरान पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन क्षेत्र में एसएसबी 20वीं बटालियन के जवानो ने जांच के दौरान एक बाइक पर सवार दो युवकों के पास से 9 लाख 10 हजार नेपाली रुपये को बरामद किया है। जानकारी देते एसएसबी 20वीं बटालियन के अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा के बरवाखुर्द स्थित भगवानपुर गांव में पिलर संख्या 351/16 के समीप मंगलवार की शाम में बाइक पर सवार दो युवकों को रोक कर जांच पड़ताल किया गया। इसी क्रम में बाइक सवार युवक के पास से कुल नौ लाख दस हजार नेपाली करेंसी बरामद किया गया। पकड़े गये दोनों युवकों ने पूछताछ के क्रम रुपये के सबंध में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं करा पाया है। पकड़े गए दोनों युवक की पहचान नेपाल के रौतहट जिले के घिवरा निवासी मुकेश कुमार एवं कार्तिकेश कुमार के रूप में हुई है। दोनों युवकों से आवश्यक पूछताछ चल रही है।जिसके बाद आवश्यक कारवाई के लिए बाद संबंधित थाना पुलिस को सुपुर्द किया जायेगा।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

महावीरी झंडा का आयोजन आपसी भाईचारा व सौहार्दपूर्ण माहौल में करें : एसडीओ

• केसरिया में शांति समिति की बैठक आयोजित

बीएनएम। केसरिया

महावीरी झंडा आयोजन को लेकर बुधवार को थाना परिसर में थानाध्यक्ष उदय कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान आयोजन के समय क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनी रहे व इसमें कोई व्यवधान ना आये इस पर क्षेत्र के प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों व जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। संबोधित करते हुए चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने कहा कि महावीरी झंडा का आयोजन आपसी भाईचारा व सौहार्दपूर्ण माहौल में करें। आयोजन के लिए संबंधित समिति को अनुमति लेनी होगी। जुलूस या मेला में डीजे नहीं बजाया जाएगा। यदि डीजे बजाते पकड़ा गया तो डीजे जब्त करते हुए संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। शांति व्यवस्था उत्पन्न होने की स्थिति में आयोजन समिति के लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के चिन्हित जगहों पर महावीरी झंडा के दिन दंडाधिकारी व पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। ताकि विधि-व्यवस्था बनी रही। वहीं पुलिस उपाधीक्षक सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि विधि-व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन हर सम्भव सहयोग करेगी। लोगों से अपील है कि अफवाह व सोशल मीडिया पर गलत तरीके से दुष्प्रचारीत किये जाने वाले पोस्ट पर ध्यान नहीं दें। क्षेत्र में कहीं भी कोई संदिग्ध या असामाजिक तत्व दिखे तो तुरंत सूचना दें। त्वरित कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने आयोजन में अपने अपने क्षेत्र में होने वाली कठिनाई से अवगत कराया। जिसका अधिकारियों ने त्वरित समाधान कराने का आश्वासन दिया। मौके पर सीओ पूनम मिश्रा, पुनि मुनीर आलम, बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार, एसआई राजीव रंजन, एसआई ओम पाल के अलावा भाजपा नेता शम्भू महतो, राजद नेता हातिम खान, सरपंच संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष साधोलाल साह, सीपीआई नेता नेजाम खान, देवालाल यादव, मुन्ना खान, चुन्नू सिंह, विजय जायसवाल, राजेन्द्र सिंह, संजय किशोर तिवारी, लवकुमार यादव, रवि जायसवाल, विशुराज सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

उत्क्रमित हाई स्कूल बलुआ में हथियार लेकर पहुंचा छात्र

- हेडमास्टर ने छात्र से छीना हथियार
- पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत के उत्क्रमित हाई स्कूल बलुआ में नौवा वर्ग का एक छात्र पिस्टल जैसा दिखने वाला एक हथियार लेकर पहुंचा। हथियार से बच्चो के कनपटी पर सटा कर डरा रहा था। जिससे स्कूल के अन्य छात्र भयभीत होकर हल्ला करने लगे। हल्ला पर स्कूल के हेडमास्टर अभय कुमार ने छात्रों से जानकारी ली। छात्रों ने पूरा मामला बताया। हथियार लेकर स्कूल पहुंचे छात्र को डांट फटकार कर हथियार छीन लिया। इस संबंध में हेडमास्टर अभय ने बताया कि पकड़ा गया हथियार पिस्टल नही है। वह चिड़िया मारने वाला एयरगन है। जिसे पुलिस को कल सौंपी जाएगी। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि सूचना मिली है। हेडमास्टर को एयरगन के साथ बुलाया गया है। मामले की तहकीकात की जायेगी।

9 लीटर चूलाई शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर 9 लीटर चूलाई शराब के साथ एक करबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कारोबारी मेघु मुखिया पिता राम अवतार मुखिया ग्राम चंद्रहीया थाना हरसिद्धि का बताया जाता है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि पकड़े गए कारोबारी को पूछताछ के बाद बुधवार को जेल भेज दिया गया। छापेमारी में दरोगा अविनाश कुमार एवं शस्त्र बल शामिल थे।

मोतिहारी में सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव, कई यात्री घायल

बीएनएम। मोतिहारी। मोतिहारी बापूधाम रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर सिंघिया समपार फाटक के पास मंगलवार देरशाम कुछ असामाजिक तत्वों ने आनंद बिहार से रक्सौल जा रही सद्भावना एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। इससे स्लीपर बोगी में सफर कर रहे कई यात्री घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल एक यात्री को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घायल यात्री की पहचान सुगौली नगर पंचायत वार्ड संख्या 8 के निवासी मनोज सोनी के रूप में हुई है। सोनी मोतिहारी से सुगौली जाने के लिए स्लीपर बोगी में बैठे थे। मनोज के परिजनों ने बताया कि घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी जानकारी लेने तक अस्पताल नहीं पहुंची। उल्लेखनीय है कि मोतिहारी से सुगौली के बीच कई बार विभिन्न ट्रेनों पर पथराव हो चुका है।

वाल्मीकिनगर :नेपाली हाथी गांव के सरेहों में पहुंचकर किये तांडव, बर्बाद किया फसल

वनक्षेत्र के दरूवारी के कक्ष संख्या टी 37 में दर्जनों पहुँचे नेपाली हाथी

बीएनएम। बगहा

बिहार का इकलौता वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना का जंगल अब नेपाली मेहमान बाघ, गैंडा और हाथियों को आकर्षित करने लगा है। कभी नेपाल के राष्ट्रीय चितवन निकुंज से भटककर बाघ, गैंडा तो कभी नेपाली हाथियों का झुंड वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के वाल्मीकिनगर वनक्षेत्र के जंगल एवं जंगल से सटे सरेहों मे चहलकदमी करते रहते हैं। बुधवार की अहले सुबह वाल्मीकिनगर वनक्षेत्र से सटे वनवर्ती गांव दरुआबारी के निवासी मुखिया प्रतिनिधि रमेश महतो सहित अन्य लोगों ने बताया कि दरूआवारी के दहकुरवा जंगल के कक्ष संख्या टी 37 में दर्जनों हाथियों का झुंड ने त्रिवेणी बम नहर और लक्ष्मीपुर गांव के सरेहो में कई किसानों के धान के खेत और गन्ना के खेत में लगे फसल को नुकसान कर तांडव मचाये हुए हैं, जिसमें किसान रुदल महतो के खेत लगभग 2 इकट्ठा में लगे गन्ना, बेचन चौतरिया का डेढ़ कट्ठा गन्ना,जगदीश चौतरिया और ओम प्रकाश चौतरिया का एक एक कट्ठा गन्ना,श्याम महतो,रूप नारायण महतो का दो कट्ठा धान और लालदेव महतो का एक कट्ठा गन्ना का फसल बरवाद कर दिया है। जिसको लेकर वीटीआर प्रशासन ने वनकर्मियों को हाईअलर्ट करते हुए चौकसी बढ़ा दी है। जंगल से सटे वनवर्ती गांवों के लोगों को सरेह और जंगलों की ओर नहीं जाने का अपील की है।इस सन्दर्भ में रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि नेपाल से वाल्मीकिनगर वनक्षेत्र मे हाथियों की चहलकदमी की सूचना मिली है, उनका पग मार्क भी मिला है।सूचना को गंभीरता से लेते हुए वनकर्मियों की टीम को हाईअलर्ट कर चौकसी के लिए तैनात कर दिया गया है। लोगों को सुरक्षित रहने के लिए अपील किया जा रहा है।साथ ही बताया कि नेपाल के चितवन और वीटीआर का वनक्षेत्र एक दुसरे से सटा और खुला क्षेत्र है।जिससे नेपाल से जंगली जानवरों बाघ,गैंडा, हाथियों जैसे अन्य जानवरों का आना-जाना लगा रहता है।इन जानवरों की निगरानी के लिए वनकर्मियों की टीम को तैनात कर दिया गया है।ताकि हाथियों के चहलकदमी पर नजर रखी जा सके।साथ ही बताया कि किसानों के फसल नुकसान की जांच के लिए वन कर्मियों के टीम को भेजा जा रहा है।रिपोर्ट के मुताबिक अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

165 बोतल नेपाली सोफिया शराब, एक बाइक व साइकिल के साथ तीन कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। पताही

पुलिस के द्वारा शराब माफियाओं के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन शराब माफियाओं को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह थनाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर तीन शराब कारोबारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है जिसमे अजय राय पिता चंद्रिका दास ताजपुर शिवहर का निवासी है जिसके पास से एक पुराना साइकिल के साथ 105 पीस नेपाली सोफिया सराब बरामद किया गया दूसरा कारोबारी दशरथ दास पिता बद्री दास नन्हकार पताही एवम तीसरा राम कुमार दास पिता जिम्मेदार दास ग्राम खुटौना थाना पताही का रहने वाला है इन दोने के पास से 60 पीस नेपाली सोफिया एवम एक ग्लैमर मोटरसाइकिल जिसका न॰ BR06-BT-7144 है बरामद किया गया। इनलोगो को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत मोतिहारी जेल भेज दिया गया। वही छापेमारी दल का नेतृत्व खुद थनाध्यक्ष कैलाश कुमार कर रहे थे उनके साथ दरोगा संजय चौधरी, धनंजय कुमार राजीव कुमार व अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

महावीरी झंडा पर्व को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर हुई बैठक

बीएनएम। रामगढ़वा

स्थानीय पलनवा थाना परिसर में नागपंचमी व महावीरी झंडा को शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जाने को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष रमेश महतो ने की।बैठक के दौरान इन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि झंडा जुलूस अखाड़ा प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट व तय समय के अंदर निकाला जाएगा। जुलूस के दौरान हुड़दंगियों पर विशेष नजर रखने की बात कही गई। अखाड़ा निकालने के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। जुलूस में डीजे व प्रतिबंधित शस्त्र पर पाबंदी रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देंगे। सोशल मीडिया पर साईबर सेल की पैनी नजर है। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर आपत्तिजनक पोस्टों पर नजर रखी जा रही है। किसी भी प्रकार का अफवाह फैलाने वालों के साथ सख्ती के साथ पेश आया जायेगा, उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।बैठक में पूर्व मुखिया सुबोध कुमार, मुखिया धीरज कुमार, अवधेश गिरी, एससरपंच पति जितेन्द्र शर्मा, अब्रे आलम, रामप्रकाश यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष सौरंजन यादव, अफरोज खान, सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित थे। वही पुलिस बल के दरोगा, हुलश राय, अभिषेक कुमार, सहित सभी पुलिसकर्मी मौजूद थे।

कलह से तंग आकर शराबी युवक ने की आत्महत्या, सत्यता की जांच में जूटी पुलिस

बीएनएम। बगहा

बगहा पुलिस जिला के बथवरिया थाना क्षेत्र के बनकटवा गांव में एक युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बथवरिया थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए बगहा अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया है। बथवरिया थानाध्यक्ष कामेंश कुमार ने बताया कि मृत व्यक्ति की पहचान बनकटवा गांव के वार्ड नं 09 निवासी संजय सोनी के 22 वर्षीय पुत्र रविशंकर सोनी के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों की बात माने तो मृतक रवि शंकर ने परिवारिक कलह से तंग आकर आत्म हत्या कर लिया है।मृतक की पत्नी अंचल देवी ने बताया कि हमेशा शराब पीकर घर में मारपीट करते थे और मानसिक रूप से बीमार थे।अंचल देवी ने कहा कि घटना के दिन कलह से तंग आकर वे मायके चली गई किन्तु अभी रास्ते में ही थी कि उनकी आत्म हत्या कर लेने की खबर आ गई।इधर मृतक रविशंकर की मां का कहना है कि नशे की हालत में आकर घर में मारपीट किया और उसे घर से निकाल दिया, जिसके दो घण्टे बाद आत्म हत्या कर लेने की खबर मिली,जब घर आई तो बेटे को फंदे से लटकता देखा। जानकारी हो कि मृत रविशंकर सोनी की शादी विगत वर्ष दिसम्बर 2023 में हुई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को बेड से बरामद किया,जिसके बाद उसे बगहा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में यूडी केस दर्ज कर पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है। घटना के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पायेगा।

चिंतन मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरु होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

निरंकुशता के कारण हसीना का निष्कासन

ललित गर्ग

बांग्लादेश में जनभावना को दबाने एवं अनसूना करने से पनपे विद्रोह, आक्रोश एवं विरोध की निष्पत्ति है शेख हसीना सरकार का पतन। लम्बे समय से चला आ रहा आरक्षण विरोधी आंदोलन का आक्रोश उग्रतम होता गया, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह एवं निरंकुश बनना बड़ा कारण रहा। जनभावनाओं को कुचला जाना एवं अनसूना करने के कारण ही हसीना आनन-फानन देश छोड़कर भारत आने के लिए विवश होना पड़ा। उससे यही पता चलता है कि हालात किस कदर उनके खिलाफ हो गए थे। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि उनका इस्तीफा मांग रहे बगावती प्रदर्शनकारियों ने उनके सरकारी आवास में घुसकर तो तोड़फोड़ की ही, उनके पिता एवं बांग्लादेश के राष्ट्रपिता कहे जाने वाले शेख मुजीब की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के साथ उनके नाम पर बने एक संग्रहालय को भी जला दिया। बांग्लादेश बेहाल हो गया, हिंसक एवं अराजक घटनाएं कहर बन कर हसीना के खिलाफ विद्रोह का बिगुल बजा रही थी। जैसी आशंका थी, शेख हसीना के पलायन करते ही सेना ने सत्ता संभाल ली और मिली-जुली अंतरिम सरकार बनाने की घोषणा की। शायद सेना इसकी तैयारी पहले से कर रही थी। भारतीय उपमहाद्वीप के श्रीलंका, नेपाल के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति भारत सरकार को सतर्क एवं सावधान रहने के साथ अपनी रणनीति में बदलाव करने की जरूरत है। जब-जब जिन-जिन देशों में जनता की आवाज को दबाया गया, एक विस्कोटक स्थिति बनी, क्रांति का शंखनाद हुआ। मान्य सिद्धान्त है कि आदर्श ऊपर से आते हैं, क्रांति नीचे से होती है। बांग्लादेश में क्रांति एवं विद्रोह का कारण भी यही स्थिति बना कि ऊपर से आदर्श की स्थितियों पर धुंधलका छाने लगा तो क्रांति नीचे से होने लगी, बांग्लादेश हिंसा की आग में झुलसने लगा, आगजनी, तोड़फोड, हिंसक प्रदर्शनों में सैकड़ों लोग मारे गये, सरकारी सम्पत्ति का भारी नुकसान हुआ। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश एवं जनता के विद्रोह को हल्के में लिया। वास्तव में हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव एवं घाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। चूंकि शेख हसीना ने अपने लंबे शासनकाल में बांग्लादेश को स्थिरता प्रदान की और उसे आगे बढ़ाया, इसलिए उनकी सत्ता को कोई खतरा नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ समय पहले आरक्षण के खिलाफ छात्रों की ओर से शुरू हुआ आंदोलन उनके लिए मुसीबत बन गया। इस आंदोलन को शीघ्र ही शेख हसीना के सभी विरोधियों और साथ ही ऐसे कट्टरपंथी संगठनों ने भी समर्थन दे दिया, जो पाकिस्तान की कठपुतली माने जाते हैं। इसके चलते आरक्षण विरोधी आंदोलन सत्ता परिवर्तन के हिंसक अभियान में बदल गया। निश्चित ही पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर-तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। बीजिंग और नई दिल्ली के बीच संतुलन साधने की शेख हसीना की नीति से चीन भी उनसे रुष्ट था और इसी कारण उन्हें हाल की अपनी चीन यात्रा बीच में छोड़कर लौटना पड़ा था। इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। हालांकि, शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक एवं असंगत आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतः बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश एवं जनान्दोलन के चरम के रूप में सामने आता ही है। ताजा घटनाक्रम एवं हिंसक आंधी श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। नयी व्यवस्था एवं सोच में व्यापक सकाकरात्मक परिवर्तन हो, विदेशी ताकतों विशेषतः पाकिस्तान की कठपूतली बनने से बचना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, भारत बांग्लादेश का सबसे करीबी, सहयोगी और दुख के दिनों का साथी रहा है। शेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तख्तापलट में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन शेख हसीना और उनकी बहन रेहाना उस वक्त जर्मनी में थी। इसलिए जिंदा बच गई थी। तब तत्कालिन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने शेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था एवं संरक्षण प्रदान किया था। लेकिन हालिया उथल-पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी की आसन्न वापसी भारत के लिये सावधान होकर अग्र-स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देने की है। बांग्लादेश के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस देश के अंतरिम प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बताया जा रहा है कि शेख हसीना का विरोध कर रहे छात्रों ने मोहम्मद यूनुस के नाम का समर्थन किया है। शेख हसीना और यूनुस का आपस में बहुत तनाव रहता था। अब यूनुस से उम्मीद की जा रही है कि वह देश को स्थिरता की ओर ले जा सकते हैं। भारत पडोसी देश के नाते बांग्लादेश में स्थिरता, शांति एवं सौहार्दपूर्ण स्थितियों की कामना करता है।

सूक्ति

विफलता परिश्रम छोड़ देने का नतीजा है।
एफ. जी. जॉयनर

गुस्से से ज्ञान का प्रकाश बुझ जाता है।
आर. जी. इंगरसोल

आज का राशिफल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि चौथ, गुरुवासरे, उ.फा. नक्षत्रे, शिव योगे, ववकरणे, कन्या की चंद्रमा भद्रा दि. 8/46 तक विनायकी गणेश चौथ व्रत यायी जय योग तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, धनीमानी, शिक्षक-शिक्षविद्, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, उत्तम वृत्ति का होगा।

मेष :- हर्ष, यात्रा, राजसुख, सफलता, हानि, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होगा।

वृष :- विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति, कार्यलाभ की स्थिति संतोषप्रद बनी ही रहेगी।

मिथुन :- व्यापार में क्षति, यात्रा, विवाद, गृहकार्य-राजकार्य में व्यवस्था कुछ हानिप्रद रहेगी।

कर्क :- शरीर दिव्य, भूमि व राज लाभ, वायु विकार का योग, शरीर कष्ट होगा।

सिंह :- वाहन आदि का भय, कष्ट, राजसुख, यात्रा की स्थिति में विकाश होगा।

कन्या :- व्यय, प्रवास, विरोध, भूमिलाभ, उद्योग-व्यापार में अड़चने हेंगी, ध्यान रखें।

तुला :- कार्यसिद्धी, लाभ, विरोध, प्रगति, कुछ अच्छे कार्य भी होंगे, संतान से प्रसन्नता मिले।

वृश्चिक :- रोगभय, मातृदुःख, कष्ट, यात्रा, गृहकार्य व राजकार्य में रुकावट बनेगी, ध्यान दें।

धनु :- राजकार्य में रुचि, यात्रा, कार्यों में रुकावट बनेगी, भयभीत व्यवस्था रहेगी।

मकर :- विरोध, व्यापार में हानि, शरीर कष्ट, धार्मिक खर्च बनेंगे, कार्य में रुकावट होगी।

कुम्भ :- व्यय, प्रवास लाभ, प्रतिष्ठा, रोग, सामाजिक कार्य में रुकावट की अनुभूति होगी।

मीन :-राजभय, यशलाभ, मान, चोट-चपेट का भय, मित्रों व पारिवारिक लोगों से परेशानी होगी।

मनु ने लौटाया शूटिंग का स्वर्णिम दौर

योगेश कुमार गोयल

पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन भारत का प्रत्येक व्यक्ति ओलंपिक में पहला स्वर्ण पदक जीतने की पक्की उम्मीदें लगाए बैठा था और ये उम्मीदें टिकी थी भारत की 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर पर। पूरी उम्मीद थी कि 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर ओलंपिक में अपनी ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करते हुए इस स्पर्धा में भी भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में कामयाब हो सकती हैं लेकिन इस बार वह पदक जीतने से थोड़ा सा चूक गई और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में 40 में से 28 शॉट्स लगाने के साथ चौथे स्थान पर रही और इसी के साथ पेरिस ओलंपिक में मेडल की हैट्रिक लगाने का उनका सपना भी अधूरा रह गया। दरअसल तीसरे और चौथे स्थान के शूटर के बराबर प्वाइंट थे। इसके बाद मनु और हंगरी की मेजर वेरोनिका के बीच शूटऑफ हुआ, जिसमें मनु केवल तीन निशाने ही लगा पाई जबकि हंगरी की शूटर ने चार बार टारगेट को हिट किया और उसी के साथ मनु पदक की रेस से बाहर हो गई। पेरिस ओलंपिक के आठवें दिन मनु का लक्ष्य ओलंपिक में एक नया इतिहास रचना था लेकिन वह पदक हासिल करने से मामूली सी पीछे रह गई। वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में हार के बाद मनु का कहना था कि उनके ऊपर इस इवेंट को लेकर काफी दबाव था। हालांकि 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में मिली इस हार के बावजूद भारत की इस इकलौती निशानेबाज ने वो खुशियां और गर्व के पल देश को दिए हैं, जिसकी ओलंपिक शुरू होने के समय तक शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मनु ने भारत के लिए पेरिस ओलंपिक में तीन अलग-अलग शूटिंग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया और तीनों में ही उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया। 3 अगस्त को जब मनु वूमेन्स 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में खेलने उतरी तो हर नजर उन्हीं के प्रदर्शन पर केंद्रित थी। भले ही वह यह मुकाबला हार गई लेकिन कुल तीन शूटिंग स्पर्धाओं में से उन्होंने अपने जोश और जज्बे के साथ दो में कांस्य पदक जीतकर भारत में शूटिंग के सुनहरे दौर को वापस लाने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। मनु की ही बदौलत भारत ने पहली बार शूटिंग में किसी एक ओलंपिक सीजन में तीन मेडल हासिल किए हैं। विभिन्न घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पर्धाओं में अनेक पदक जीतने के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर मनु ने ऐसा अविस्मरणीय इतिहास रचा, जो उनके अलावा ओलंपिक के 124 वर्षों के इतिहास में अब तक भारत का कोई भी अन्य दएथलीट नहीं कर पाया। पेरिस ओलंपिक में मनु ने जिस तरह का जबरदस्त प्रदर्शन किया और अपने मैचों के दौरान जिस प्रकार का 'धाकड़' खेल दिखाया, उसी के कारण उन्हें अब मनु भाकर के साथ-साथ 'मनु धाकड़' भी कहा जाने लगा है। मनु से पहले कोई भी पुरुष या महिला एथलीट एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने में सफल नहीं हुआ है। देश की आजादी से बहुत पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 में आयोजित हुए ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में कुल दो रजत पदक जीतकर एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीतने का रिकॉर्ड बनाया था और उम्मीद थी कि मनु 124 साल पुराने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकती हैं लेकिन 'मिरेकल गर्ल' मनु भाकर की ओलंपिक में ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी नहीं हो पाई। हालांकि पहला कांस्य पदक जीतने के साथ ही वह ओलंपिक के इतिहास में भारत के लिए निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बन गई थी और उस पदक के साथ ही मनु ने शूटिंग में भारत के पदक के 12 वर्ष के सूखे को भी खत्म किया था। मनु से पहले 2012 के लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में एक-एक पदक जीते थे। ओलंपिक के 124 वर्ष के इतिहास में मनु से पहले भारत को शूटिंग में केवल 4 पदक ही नसीब हुए थे जबकि भारत केवल इसी ओलंपिक में मनु के दो पदकों सहित कुल 3 पदक जीत चुका है। शूटिंग में 2004 के एथेंस ओलंपिक में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने रजत पदक जीता था, उसके बाद 2008 के बीजिंग ओलंपिक में अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक भारत के नाम किया और 2012 के लंदन ओलंपिक में विजय कुमार ने रजत और गगन नारंग ने कांस्य पदक जीता था।

कितनी बार अपने ही संस्थापक बंगबंधु को मारेगा बांग्लादेश

आर.के. सिन्हा

शेख हसीना का इस्तीफा बांग्लादेश के लिए एक दुखद अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। उतनी ही दुखद वे तमाम छवियां है, जिन्हें आज सारी दुनिया टेलीविजन पर देख रही है। इनमें सैकड़ों लोग बांग्लादेश के संस्थापक और शेख हसीना के पिता बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान की मूरत पर चढ़कर उसे हथौड़े मारकर तोड़ रहे हैं। जिस बंगबंधु की कुर्बानियों के चलते बांग्लादेश का 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के बाद जन्म हुआ था, उनकी तस्वीरों और मूरत को तोड़ा और फाड़ा जा रहा है। और पूरी दुनिया ने इसे देख रही है। मैं तो उन चन्द युद्ध संवाददाताओं में एक था जिसने बांग्लादेश के "राष्ट्रपिता" कहे जाने वाले स्वतंत्रता संग्राम के नेता शेख़ मुजीब के पराक्रम, चमत्कार और करिश्माई नेतृत्व को मुक्ति वाहिनी के संघर्ष से लेकर भारत- पाक के युद्ध के बाद बॉंग्लादेश की स्वतंत्रता तक नज़दीकी से देखा है। फिर यह भी देखा है कि 1975 में किस तरह उनके परिवार के अधिकांश सदस्यों (विदेश में रह रही हसीना बच गई थीं) की क्रूरतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। अब उनकी बेटी और बांग्लादेश को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाने वाली शेख हसीना को भी निर्वाचित प्रधानमंत्री पद छोड़ने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। उन्हें देश छोड़ने के लिये मात्र 45 मिनट का अल्टीमेटम दिया गया था, जिसके बाद देश फिर से सेना के पूर्ण नियंत्रण में आ गया है। सेना प्रमुख, जनरल वाकर-उज-जमान, जो इस साल 23 जून से पद पर हैं, ने एक "अंतरिम सरकार" का वादा किया है। लेकिन , इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि आदेश कौन देगा। उन्होंने विपक्षी दलों से बात की है। उन्होंने शेख हसीना की राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को रिहा कर दिया है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में बांग्लादेश इस्लामी आतंकवाद का केंद्र बन गया था। खालिदा जिया घनघोर भारत विरोधी रहीं हैं । खालिदा जिया की रिहाई से भारत की विदेश नीति को तय करने वाले चिंतित जरूर होंगे। खालिदा जिया जब अपने देश की प्रधानमंत्री थीं तब वहां टाटा ग्रुप की इनवेस्टमेंट करने की योजना का कसकर विरोध हुआ था। उसे हवा खालिदा की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी(बीएनपी) ही दे रही थी। टाटा ग्रुप की तुलना ईस्ट इंडिया कंपनी से की जा रही थी। टाटा ग्रुप को ईस्ट इंडिया कंपनी जैसा बताने वाले भूल गए थे कि टाटा ग्रुप भारत से बाहर दर्जनों देशों में स्वच्छ, स्वस्थ और पारदर्शिता पूर्ण कारोबार करता है। वहां पर तो उस पर कभी कोई आरोप नहीं लगाता। शेख हसीना सरकार का तख्ता पलटने के साथ ही वहां जमाते ए इस्लामी और भारत विरोधी ताकतें हिन्दुओं और प्राचीन हिन्दू मंदिरों पर हमला करने लगी हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले शेख हसीना के दौर में कमोबेश खत्म हो गए थे। वहां पर अब तो धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए स्पेस जीवन के सभी क्षेत्रों में घट रहा है। बांग्लादेश में कठमुल्ले कट्टर इस्लामिक हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े हुए हैं। उन्हें तो बस मौके भर की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिन्दू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंग बंधु के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था । राजधानी दिल्ली में निर्वासित जीवन जी रही तस्लीमा नसरीन ने अपने उपन्यास "लज्जा" में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर विस्तार से लिखा है । इसलिए ही उनकी जान के भी दुश्मन हो गए थे कठमुल्ले। मुझसे एक- दो बार तस्लीमा मिलने क्या आ गईं कि मुझे भी सलाहपूर्ण धमकियों भरे कॉल आने लगे थे।उसी विरोध के कारण तसलीमा को भी अंततः अपनी मातृभूमि बांग्लादेश सदा के लिये छोड़ना पड़ा था। तस्लीमा नसरीन का उपन्यास 'लज्जा'1993 में पहली बार प्रकाशित हुआ था। वह लज्जा में साम्प्रदायिक उन्माद के नृशंस रूप को सामने लाती है। लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गईं थीं। अपनी जान बचाने की गरज से तस्लीमा लम्बे अरसे तक स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में भी रहीं । वह 2004 में कोलकाता आ गईं थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला भी किया पर वे बाल बाल बच गईं। बांग्लादेश में जेसोर, देबीगंज, राजशाही, शांतिपुर, प्रोधनपारा और आलमनगर में हिन्दुओं पर सर्वाधिक जुल्मों-सितम होते रहे हैं। जब 1947 में भारत का बंटवारा हुआ था, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिन्दू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी के बीच थे। पर 2011 की जनगणना के बाद वहां हिन्दू देश की कुल आबादी का मात्र 8 फीसदी ही रह गए हैं। शेख हसीना के दौर से पहले बांग्लादेश में शायद ही ऐसा कोई दिन बीतता हो, जब किसी हिन्दू महिला के साथ कट्टरवादी बदतमीजी न करते हों। कोई महिला कट्टरवादियों का विरोध करती , तो उसे निर्ममता पूर्वक मौत के घाट उतार दिया जाता । बांग्लादेश में हिन्दू महिलाएं हमेशा ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रही हैं। राह चलती किसी लड़की को सरेआम उठाकर कहा जाता है कि उसने इस्लाम कबूल कर लिया है और उसका जबरन निकाह किसी मुस्लिम से कर दिया जाता है। इसलिए दोनों देशों के हिन्दू भारत आना चाहते हैं। यही वजह है कि कुछ लोग सवाल उठाने लगे हैं कि क्या कुछ साल बाद पाकिस्तान और बांग्लादेश हिन्दू-विहीन हो जाएंगे? क्या बांग्लादेश में हिन्दुओं के उत्पीड़न की खबरें उन भारतीय सेकुलरवादियों तक नहीं पहुंचती हैं, जो हमास के किसी आतंकी को मारे जाने पर इजराईल को पानी पी-पीकर कोसते हैं? बहरहाल, एक बात तो माननी ही होगी कि शेख हसीना ने भारत के पूर्वोत्तर को सुरक्षित बनाने में बहुत योगदान दिया था। उन्होंने अपने देश के कठमुल्लों को कभी भारत के पूर्वोत्तर भागों में अपना खेल खेलने की इजाजत नहीं दी। क्या अब यह क्षेत्र फिर से आतंकवादियों का केंद्र बन जाएगा? शेख हसीना, जो 2009 से सत्ता में थीं और दुनिया की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली नेता रहीं। लेकिन, वे भी कई कमियों की शिकार रहीं। वह उन चेतावनियों को पढ़ने में विफल रहीं जो एक सामाजिक-आर्थिक और संभावित रूप से भावनात्मक मुद्दे पर विरोध प्रदर्शनों के साथ आई थीं। हाल के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग 1971 के स्वतंत्रता संग्राम के स्वतंत्रता सेनानियों के लिए आरक्षित नौकरी कोटे को समाप्त करने की थी, जिसे उनके बच्चों और यहां तक कि पोते-पोतियों तक बढ़ा दिया गया था। नौकरी कोटा उन लोगों को नुकसान पहुंचा रहा था , जिन्हें इसका लाभ नहीं हुआ था और आर्थिक संकट के बीच शेख हसीना के विरोधियों के लिए यह काम आया। शेख हसीना ने पहले उन्हें 'रजाकार' (स्वतंत्रता संग्राम के पाकिस्तान समर्थक विरोधी) कहा, और फिर उन्हें 'आतंकवादी' कहा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कोटे को न्यूनतम तक कम कर दिया था। इससे यह उम्मीद बनी थी कि अब बंगलादेश फिर से अमन की तरफ लौट जाएगा।लेकिन , यह उम्मीद गलत साबित हुई। पांच हफ्तों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान बल के प्रयोग, ने जनता के गुस्से को और बढ़ा दिया था। खैर, बांग्लादेश अब तो एक गहरे संकट में जा चुका है। अब इस बात की उम्मीद कम ही है कि वहां पर जिंदगी निकट भविष्य में पटरी पर लौट जाएगी। जो देश अपने संस्थापक का अपमान करता हो, उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।

शब्द पहेली - 8213

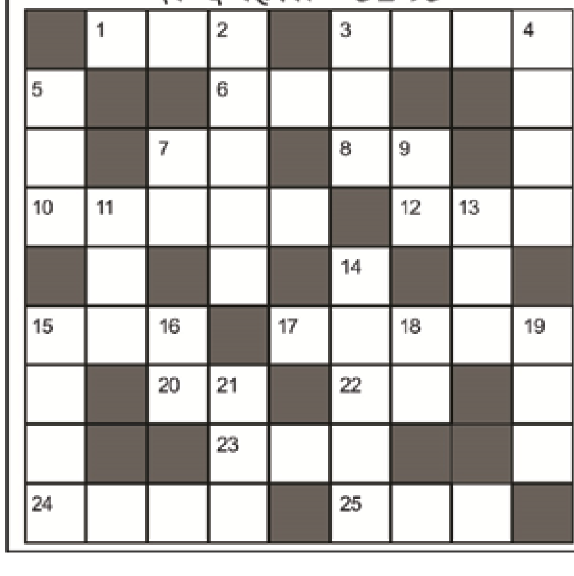

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, बेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8212 का हल

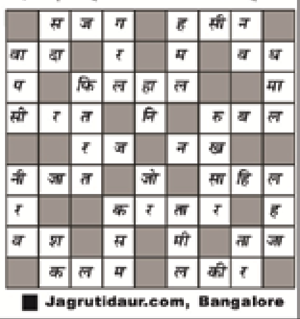

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7151

***** कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7150 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 7.5 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

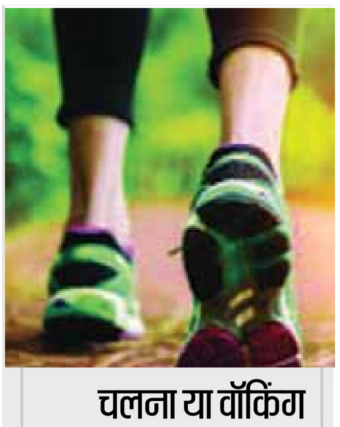

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहटी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

हमेशा से ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहता था : नीरज

पेरिस। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने पर खुशी जताते हुए कहा है कि उनका प्रयास एक ही शॉट में फिनिश करना रहता है। नीरज ने कहा कि वह हमेशा ही पहले प्रयास में फिनिश करना चाहते हैं हालांकि ये हमेशा ही काम नहीं आता। चोपड़ा ने ग्रुप बी क्वालीफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो किया जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। उन्होंने इस प्रदर्शन के बाद कहा, 'मैं पहले प्रयास में अच्छा करने की कोशिश करता हूं पर यह हमेशा प्रभावी नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'ऐसा पहले भी हुआ है जब मेरा शुरुआती थ्रो अच्छा नहीं रहा है पर मैं पहले प्रयास में बेहतर करने की कोशिश करता हूं।' चोपड़ा के प्रदर्शन ने उनकी चोट को लेकर चिंताओं को भी दूर कर दिया। उन्होंने कहा कि वह गुरुवार को होने वाले फाइनल को लेकर बेहतर हालत में थी। इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं अब बेहतर हूं। मैं फाइनल पर ध्यान केंद्रित करूंगा। मैं इसे ध्यान में रखने और ठीक से अभ्यास करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अब बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।' चोपड़ा ने स्वीकार किया कि फाइनल में चुनौती पूरी तरह से अलग होगी। उन्होंने कहा, 'फाइनल में हर किसी की मानसिकता अलग होती है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि हमने अच्छी शुरुआत की है और हम फाइनल के लिए जितना बेहतर तैयार होंगे, उतना बेहतर होगा।' उन्होंने कहा, 'मैं बहुत आश्वस्त हूं और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हूं। मैं फाइनल के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ बचाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और बेहतर तैयारी के साथ आने की कोशिश करूंगा।'

बांग्लादेश में टी20 महिला विश्वकप के आयोजन पर संशय छाया

आईसीसी रख रही हालातों पर नजरें

ढ़ाका। बांग्लादेश में जारी हिंसा और बदलते हुए घटनाक्रम को देखते हुए अब अगले साल वहां टी20 विश्वकप का होना संभव नजर नहीं आ रहा है। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में अराजकता और लूटपाट का माहौल है। देश में अब सेना के साथ में सत्ता आ गयी है। इसको लेकर अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर जिस प्रकार के हालात है उसमें किसी भी देश के खिलाड़ी वहां का दौरा नहीं करना चाहेंगे। पिछले महीने श्रीलंका के कोलंबो में हुई आईसीसी की वार्षिक आम बैठक में बांग्लादेश में खराब माहौर को लेकर बात उठी थी। आईसीसी का कहना है कि स्थिति पर उसकी नजरें लगी हैं। अभी आयोजन में कई माह शेष हैं, ऐसे में अभी से कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है। साथ ही कहा कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो किसी अन्य स्थान पर विश्वकप का आयोजन होगा। अगर विश्वकप की मेजबानी नहीं मिलती है तो ये बांग्लादेश महिला क्रिकेट के लिए बड़ा झटका होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दस टीमों का महिला टूर्नामेंट तीन से 20अक्टूबर तक आयोजित होने वाला है। अब इसके लिए अन्य स्थलों को भी देखा जाएगा।

स्वदेश लौटने पर मनु का हुआ भव्य स्वागत

नई दिल्ली। पेरिस ओलिंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर वापस लौटी महिला निशानेबाज मनु भाकर का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। दिल्ली एयरपोर्ट पर परिजनों के साथ ही उनके प्रशंसक भी भारी संख्या में मौजूद थे। इस दौरान मनु ने कहा कि लोगों का प्यार देखकर बेहद खुशी हुई है। वहीं उनके प्रशंसक भी जोश से भरे नजर आये। मनु ने पेरिस ओलंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में दो पदक जीते हैं। वह अब पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्हें ये सम्मान दो पदक जीतने के लिए दिया गया है। मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल में एक कांस्य पदक भी जीता है। भारतीय ओलंपिक संघ ने कहा कि आईओए अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा और मुख्य दल प्रतिनिधि गगन नारंग ने घोषणा की है कि निशानेबाज मनु भाकर समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। वहीं पुरुष ध्वजवाहक का चयन बाद में किया जाएगा।

विनेश के अयोग्य घोषित होने से गुरु महावीर फोगाट भावुक हुए

अगले ओलंपिक में वापसी करेगी

भिवानी। पेरिस ओलंपिक में वजन अधिक होने के कारण भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से ठीक पहले आयेग्य घोषित किये जाने से उनके गुरु महावीर प्रसाद की आंखों से आंसू आ गये। महावीर प्रसाद विनेश के ताऊ हैं। उन्होंने कहा कि अब विनेश साल 2028 में होने वाले ओलंपिक में उतरेगी। भारत के लिए पेरिस ओलंपिक से बुरी खबर है. ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल में पहुंचने वाली महिला पहलवान विनेश का वजन सुबह कुछ ग्राम ज्यादा निकलने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनी थीं। उन्हें आज देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था पर उससे ठीक पहले वजन लिये जाने के समय उनक वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया। ऐसे में नियमों के अनुसार उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। गुरु को भरोसा था कि विनेश इस बार ओलंपिक में स्वर्ण जीतेगी पर वजन वर्ग में अयोग्य घोषित होने से उन्हें बड़ा झटका लगा है।

आरसीबी जा सकते हैं राहुल

मुम्बई। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल अगले सत्र में किसी और टीम से खेलते हुए दिख सकते हैं। इसका कारण ये है कि राहुल और लखनऊ सुपर जायंट्स प्रबंधन में मतभेद गहरा गये हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले सत्र में जिस प्रकार से फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका भड़के थे उससे राहुल नाराज हैं हालांकि इस बहस के बाद गोयनका ने राहुल को खाने पर बुलाया था और उनके बीच अच्छी बातचीत हुई थी। तब लगा था कि दोनों के बीच सब कुछ ठीक है पर ये बात गलत निकली। राहुल 2022 में टीम से जुड़े थे और तब से उन्होंने टीम को हर बार प्लेऑफ में पहुंचाया पर टीम । टूर्नामेंट के नॉकआउट स्तर तक नहीं पहुंच पायी। पिछले सत्र में टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। वहीं अब एक रिपोर्ट के मुताबिक राहुल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से फिर जुड़ सकते हैं। फ्रेंचाइजी को भी एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश है, जो कप्तानी कर सके। आरसीबी आज तक आईपीएल नहीं जीत है। उसने विराट कोहली के बाद दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसी को भी कप्तान बनाया पर उसकी एक न चली। ऐसे में अब वह राहुल को कप्तान बनाना चाहती है। 2022 में विराट ने लंबे समय के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ी थी और उसके बाद डुप्लेसी टीम के नए कप्तान बने थे पर उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए प्रबंधन अब किसी युवा खिलाड़ी को कप्तानी देना चाहता है। 40 वर्षीय फाफ ज्यादा समय तक फ्रेंचाइजी का साथ नहीं सकते हैं। राहुल पहले भी टीम में रहे है जिससे प्रबंधन उनके बारे में अच्छी प्रकार से जानता है।

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

- सेंसेक्स 874 अंक , निफ्टी 304 अंक ऊपर आया

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट रुक गयी। आज सुबह दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई और पूरे दिन यही सिलसिला जारी रहा। कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 874 अंक की बढ़त लेकर 79,468 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी में भी 304 अंक की तेजी रही और ये 24,279 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़ रही। इसी कारण आईटी इंडेक्स 2 फीसदी उछला। वहीं एनबीएफसीएस और सरकारी शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। बांग्लादेश में जारी हिंसा के कारण उसके कपड़ा उद्योग में कामकाज बंद है। ऐसे में भारतीय कपड़ा उद्योग की ओर विदेश खरीदारों का रुख हो सकता है। जिससे भारतीय कपड़ा कंपनियों के शेयर में भारतीय उछाल आया है। आज कारोबार के दौरान एमएंडएम 2.23 फीसदी, इनफोसिस 2.19 फीसदी, एचसीएल टेक्नोलाजी 2 फीसदी ऊपर आया जबकि अडानी पोर्ट का शेयर 1.55 फीसदी और Tata Steel में भी 1.50 फीसदी की तेजी आई। वहीं मिडकैप कंपनियों में शामिल ऑयल डंडिया के शेयर 6.89फीसदी, लूयपिन के शेयर 4.30 फीसदी उछले जबकि स्मालकैप कंपनियों के शेयरों की बात करें तो मुफ्ती शेयर 10.25शेयर , एसपीएएल 8.96 फीसदी और आईएफबी इंडिया के शेयर 7.57 फीसदी बढ़े। वहीं गत दिवस बाजार नीचे आया था। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही खरीदरारी से आई है। शुरुआती कारोबार में बाजार ने सकारात्मक शुरुआत और 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 963 अंक ऊपर आकर 79,556 पर पहुंचा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 294 अंक बढ़कर 24,286 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान मिडकैप इंडेक्स 1.37 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.01 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी में ओएनजीसी, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प और एमएंडएम के शेयरों में बढ़त रही जबकि एसबीआई लाइफ, अपोलो हॉस्पिटल्स और नेस्ले इंडिया के शेयर नीचे आये। एशिया-प्रशांत बाजारों की शुरुआत आज मिली-जुली रही, जो प्रमुख अमेरिकी सूचकांकों में तीन लगातार दिनों की गिरावट के बाद हुई उछाल के बाद हुई है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसल 0.76 फीसदी बढ़ा, एसएंडपी 500 में 1.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, और नैस्डैक कंपोजिट 1.03 फीसदी बढ़ा। एशिया में, निक्केई 1.46 फीसदी नीचे आया जबकि जापान के व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली 0.05 फीसदी की बढ़त रही। हुई। दक्षिण कोरिया में, कोस्पी 0.88 फीसदी और कोसडाक 1.6 फीसदी उछला। इस बीच, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स भी लाभ में रहा और 0.35 फीसदी बढ़ा।

जुलाई में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों थाली मंहगी

नई दिल्ली। इस साल जुलाई में खाना महंगा हो गया है। जुलाई में वेज (शाकाहारी) और नॉन वेज (मांसाहारी) दोनों थाली की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि सालाना आधार पर दोनों थाली की कीमतों में कमी दर्ज हुई है। वेज थाली में रोटी, चावल, दाल, दही, सलाद के साथ ही प्याज, आलू, टमाटर होते हैं। मांसाहारी में शाकाहारी थाली के काफी खाद्य पदार्थ होते हैं। लेकिन दाल की जगह चिकन (ब्रॉयलर) होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस साल जून में शाकाहारी थाली की कीमत 29.4 रुपये थी, जो जुलाई में बढ़कर 32.6 रुपये हो गई। इस तरह जून की तुलना में जुलाई में शाकाहारी थाली करीब 11 फीसदी महंगी हुई। हालांकि सालाना आधार पर जुलाई में शाकाहारी थाली 4 फीसदी सस्ती हुई है क्योंकि सालाना आधार पर टमाटर के भाव में 40 फीसदी कमी आई है। सालाना आधार पर प्याज 65 और आलू 55 फीसदी महंगा होने से शाकाहारी थाली के दाम और कम होने से रुक गए। रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली महंगी होने की मुख्य वजह टमाटर के दाम बढ़ना है। जून की तुलना में जुलाई में टमाटर के भाव 55 फीसदी बढ़कर 66 रुपये किलो हो गए। इसके अलावा जुलाई में आलू व प्याज के भाव क्रमशः 20 और 16 फीसदी बढ़ने के कारण भी शाकाहारी थाली महंगी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार इस साल जून में मांसाहारी थाली की कीमत 58 रुपये थी, जो जुलाई में 6 फीसदी बढ़कर 61.4 रुपये हो गई। इसकी भी वजह टमाटर महंगा होना है। शाकाहारी की तुलना में मांसाहारी थाली कम महंगी होने का कारण इस थाली में 50 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले ब्रॉयलर के दाम स्थिर रहना हैं। पिछले साल जुलाई में इस थाली की कीमत 67.8 रुपये थी, जो इस जुलाई घटकर 61.4 रुपये रह गई। सालाना आधार पर मांसाहारी थाली सस्ती होने की वजह ब्रॉयलर के दाम में 11 फीसदी कमी आना है।

कच्चे तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

न्यूयार्क। कच्चे तेल के दाम आने वाले समय में गिर सकते हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले साल 2025 में मंदी आने के कारण कच्चे तेल (ब्रेंट क्रूड) की कीमतें 75 डॉलर प्रति बैरल से 90 डॉलर प्रति बैरल के बीच रह सकती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आर्थिक मंदी आई तो नायमैक्स पर कच्चे तेल के दाम गिरकर 30 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। वहीं, ब्रेंट क्रूड के दाम 50 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकते है। अभी 7 अगस्त 2024 को नायमैक्स पर क्रूड का भाव 73 डॉलर प्रति बैरल है जबकि ब्रेंट क्रूड का दाम 76 डॉलर प्रति बैरल है।

कच्चा तेल सस्ता होने भारत के लिए लाभप्रद रहेगा। ऐसे में भारत का खर्च कम होगा। इससे चालू वित्तीय घाटा कम करने में मदद मिलेगी। पिछले कुछ समय में पेट्रोल-डीजल की कीमत (Petrol-Diesel Price) में खास बदलाव नहीं किया। इससे सरकार को दो बड़े लाभ हुए हैं।

इससे देश के चालू खाता घाटा कम हुआ है। इसके अलावा सरकार के राजस्व में बढ़त आई है। अर्थव्यवस्था के लिहाज से हाल में एक और अच्छी घटना हुई है। दूसरे शब्दों में कहें तो डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में 4 रुपए की मजबूती आई है। इससे सरकार को विदेशों से सामान खरीदने में कम भुगतान करना पड़ा। रुपए के मजबूत होने से कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक, जेम्स एंड ज्वेलरी, फर्टिलाइजर्स, केमिकल्स सेक्टर को सीधा फायदा होता है। इससे आयात की लागत घट जाती है। हालांकि, इससे कुछ सेक्टर्स को नुकसान भी होता है।क्रूड की कीमतों में गिरावट से तेल कंपनियों को लाभ होगा।

होंडा की कई कारों पर मिल रही है बड़ी छूट

- अमेज पर मिल रही है 96,000 रुपये तक की छूट

नई दिल्ली। चालू माह में होंडा कंपनी की कई कारों पर बड़ी छूट दी जा रही है। होंडा द्वारा सबसे अधिक छूट अमेज पर दी जा रही है। यह छूट 96,000 रुपये तक की है। इसके अलावा जिन कारों पर छूट दी जा रही है उनमें इलेवेट एसयूवी, सिटी डेडान, सिटी हायब्रिड और अमेज कॉम्पैक्ट सेडान है। इस महीने दिए जा रहे बेनिफिट्स में कैश डिस्काउंट, लॉयल्टी एंड एक्सचेंज बोनस और कॉर्पोरेट स्कीम्स शामिल हैं। हयूदै क्रेटा और किआ सेल्टॉस की प्रतिद्वंद्वी इलेवेट की कीमत 11.91 लाख रुपये से 16.51 लाख रुपये के बीच है। एलीवेट के साथ ही होंडा सिटी में भी एडिशनल सेफ्टी फीचर्स शामिल की गई हैं। अपडेट से पहले मैन्युफैक्चर्ड अनसोल्ड स्टॉक पर इस महीने 88,000 रुपये तक के बेनफिट्स दिए जा रहे हैं, जबकि अपडेटेड सिटी पर 68,000 रुपये तक के बेनिफिट्स मिल रहे हैं। सिटी में 121एचपी, 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन है जिसमें 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन या सीवीटी का ऑप्शन मिलता है। अगस्त के महीने में होंडा सिटी हायब्रिड पर 78,000 रुपये तक कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का 3 साल का निःशुल्क सर्विस पैकेज दिया जा रहा है। 19 लाख रुपये की कीमत वाली सिटी हाइब्रिड का बाजार में कोई सीधा प्रतिद्वंद्वी नहीं है और ये 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आती है, जो सभी ई-सीवीटी गियरबॉक्स से जुड़ी हैं। इनका कंबाइंड आउटपुट 126 एचपी है। इस महीने होंड अमेज के वीएक्स और अलाइट वेरिएंट पर 96,000 रुपये तक, एस वेरिएंट पर 76,000 रुपये तक और एंट्री-लेवल ई वेरिएंट पर 66,000 रुपये तक के बेनिफिट्स दिए जा रहे हैं। मारुति डिजायर और हयूदै औरा की प्रतिद्वंद्वी ये कार 90एचपी, 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध है जिसमें मैनुअल गियरबॉक्स और सीवीटी ऑटो ऑप्शन्स हैं। मौजूदा मॉडल को जल्द ही एक बिल्कुल नई होंडा अमेज से बदला जाएगा, जिसके इस साल त्योहारी सीजन के दौरान आने की उम्मीद है।बता दें कि ये दिए जा रहे बेनिफिट्स अलग-अलग शहर में अलग-अलग हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, होंडा इस महीने इलेवेट पर 65,000 रुपये तक के बेनिफिट्स दे रही है। जो कि वेरिएंट पर डिपेंड करता है। ध्यान दें कि एसयूवी को अप्रैल में एडिशनल सेफ्टी टेक्नोलॉजी के साथ अपडेट किया गया था, जिसमें छह एयरबैग, 3-पॉइंट ईएलआर सीट बेल्ट और सभी पांच सीटों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर स्टैंडर्ड फिटमेंट के तौर पर शामिल हैं। हालांकि, ये बेनिफिट्स केवल इस अपडेट से पहले मैन्युफैक्चर किए गए एलीवेट मॉडल पर लागू होते हैं।

फिल्म औरों में कहां दम था की कमाई में बढ़ोतरी

तीसरे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

इन दिनों अजय देवगन फिल्म औरों में कहां दम था को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म बीते शुक्रवार यानी 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।इस फिल्म में अजय की जोड़ी एक बार फिर तब्बू के साथ बनी है। हालांकि, यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई।अब औरों में कहां दम था के तीसरे दिन के कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली बढ़त देखने को मिली है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, औरों में कहां दम था ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 2.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 6.75 करोड़ रुपये हो गया है।औरों में कहां दम था ने 1.85 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी।दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ और शनिवार को यह फिल्म 2.15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। औरों में कहां दम था के निर्देशक नीरज पांडे हैं। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है। शीतल भाटिया, कुमार मंगत पाठक और संगीता अहीर इसके निर्माता हैं।इस फिल्म में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु महेश्वरी जैसे कलाकारों ने भी काम किया है।फिल्म में अजय और तब्बू की अधूरी प्रेम कहानी दिखाई गई है, जो ताउम्र पूरी नहीं हो पाती।बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना जाह्नवी कपूर की उलझ से हो रहा है।

देवरा का दूसरा गाना धीरे-धीरे जारी

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर का दिखा रोमांटिक अंदाज

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म देवरा पार्ट 1 का दूसरा गाना धीरे-धीरे (हिंदी) रिलीज हो गया है. सॉन्ग धीरे-धीरे में जाह्नवी कपूर और जूनियर एटीआर के बीच खूबसूरत, लविंग और रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिल रही है. वहीं, गाने में जाह्नवी कपूर बोल्ड लुक फ्लॉन्ट कर रही हैं. यह पहली बार है जब जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर किसी फिल्म में साथ में काम कर रहे हैं. देवरा पार्ट 1 के दूसरे गाने धीरे-धीरे पांच भाषाओं (तेलुगू, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम) में रिलीज हुआ है. हिंदी में इसे शानदार सिंगर शिल्पा राव ने गाया है. इससे पहले वह शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान का सॉन्ग बेशरम रंग गा चुकी हैं. वहीं, इस गाने को बोल कौसर मुनीर के हैं. धीरे-धीरे को साउथ सिनेमा के नौजवान संगीतकार अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है. वहीं, अपनी कोरियोग्राफी से इंडियन सिनेमा पर राज कर रहे है बोस्को मार्टिस ने इसे कोरियोग्राफ किया है. बोस्को मार्टिस इन दिनों सॉन्ग तौबा-तौबा से चर्चा में हैं, जिसमें विक्की कौशल के स्टेप्स सबसे ज्यादा पॉपुलर हो रहे हैं. कोराताला सिवा के डायरेक्शन में बनी फिल्म देवरा पार्ट 1 में सैफ अली खान बतौर विलेन नजर आएंगे. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के दूसरे पार्ट में बॉबी देओल को विलेन के रोल में देखआ जाएगा. फिल्म 27 सितंबर 2024 को रिलीज होगी.

विक्की-तृप्ति की फिल्म बैड न्यूज ने फिर पकड़ी रफ्तार

60 करोड़ से इंचभर दूर है फिल्म

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज सिनेमाघरों में रिलीज का तीसरा सप्ताह चल रहा है और यह दर्शकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।तृप्ति डिमरी और एमी विर्क ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।यह तिकड़ी दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इसके बावजूद बैड न्यूज बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।हालांकि, वीकेंड पर एक बार फिर इस फिल्म ने अपनी रफ्तार पकड़ी है। अब बैड न्यूज की 17वें दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिसमें बढ़ोतरी देखने को मिली है।लाखों में सिमटी इस फिल्म की कमाई एक बार फिर करोड़ों में कारोबार कर रही है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, बैड न्यूज ने अपनी रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 59.90 करोड़ रुपये हो गया है। अब विक्की फिल्म छावा में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी जोड़ी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।छावा में विक्की छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे संभाजी राजे का किरदार निभा रहे हैं।तप्ति के पास कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 है, जो 12 नवंबर, 2024 को रिलीज होगी।उधर, एमी जल्द खेल खेल में दिखाई देंगे। यह फिल्म आगामी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

पुष्पा 2 द रूल से आया बड़ा अपडेट, अल्लू अर्जुन क्लाइमैक्स के लिए शूट कर रहे ये दमदार सीन

पुष्पा 2 द रूल अपनी शूटिंग के आखिरी चरण में चल रही है. अल्लू अर्जुन फिल्म पुष्पा 2 द रूल में क्लाईमैक्स शूट कर रहे हैं. पुष्पा 2 द रूल का क्लाईमैक्स एक्शन से लबरेज है. पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने इसकी जानकारी दी है. पुष्पा 2 द रूल की शूटिंग पर अपडेट जारी कर मेकर्स ने अल्लू अर्जुन के फैंस की बेताबी को बढ़ाने का काम किया है. पुष्पा 2 द रूल के एक्शन सीक्वेंस क्लाईमैक्स की जानकारी देते हुए मेकर्स ने एक छोटी की वीडियो क्लिप भी जारी की है. इस वीडियो क्लिप में अल्लू अर्जुन का रौबदार अंदाज देखने को मिल रहा है. पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए लिखा है, पुष्पा 2 द रूल की शूटिंग चल रही है और क्लाईमैक्स के लिए एक्शन सीक्वेंस शूट हो रहा है. पुष्पा 2 द रूल 6 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी. बता दें, यह अपडेट उस वक्त में सामने आई है, जब पुष्पा 2 द रूल को लेकर बात बन रही थीं, अल्लू अर्जुन और फिल्म के डायरेक्टर सुकुमार के बीच अनबन हो गई है. हालांकि, मेकर्स ने इन सब बातों को अफवाह करार दिया था. वहीं, पुष्पा 2 द रूल पहले 15 अगस्त 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन फिल्म अब 6 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है, लेकिन मेकर्स ने अगस्त में फिल्म तो नहीं लेकिन इससे जुड़ी बड़ी हैप्पी अपडेट जरूर अल्लू अर्जुन के फैंस को दी है. बता दें, अल्लू अर्जुन और सुकुमार लंबे समय से फिल्म की शूटिंग में लगे हुए हैं.

स्टाइलिश आउटफिट पहन अनुष्का सेन ने शेयर की वेकेशन की फोटोज

यंग फैशन आइकॉन अनुष्का सेन ने अपने एक्टिंग करियर की शरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट से की थी। उन्होंने अपनी एक्टिंग से दर्शकों को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने वेकेशन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। टीवी एक्ट्रेस अनुष्का सेन इन दिनों अपनी फैमिली के साथ क्वालीटी टाइम स्पेंड कर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करता है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने व्हाइट कलर का टॉप पहना हुआ है और साथ ही रेड कलर की स्टाइलिश स्कर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो स्टनिंग पोज दे रही हैं। खुले बाल, डार्क लिप्सटिक और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस इन दिनों अपना वेकेशन एम्स्टर्डम में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं, से वो लगातार अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस इन दिनों अपना वेकेशन एम्स्टर्डम में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं, से वो लगातार अपनी फोटोज शेयर कर फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस की इन फोटोज को इंस्टाग्राम पर पोस्ट हुए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 3 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं।

प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर धमाल, शाहरुख की जवान को पछाड़ने में इंचभर दूर है फिल्म

प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर नया रिकॉर्ड बनाने की पूरी तैयार में हैं. नाग अश्विन द्वारा निर्देशित, यह फिल्म 27 जून को रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. साई फाई फिल्म कल्कि 2898 एडी शाहरुख खान की जवान को पछाड़कर चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनने वाली है. प्रभास के अलावा, फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी जैसे कलाकार खास रोल में हैं. रिलीज के 39वें दिन, कल्कि 2898 एडी ने पिछले दिन की तुलना में अपने कलेक्शन में 44त्न की वृद्धि दर्ज की और भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1.8 करोड़ रुपये की कमाई की. तेलुगु वर्जन ने 0.58 करोड़ रुपये, तमिल ने 0.04 करोड़ रुपये और हिंदी ने 1.1 करोड़ रुपये, कन्नड़ और मलयालम वर्जन ने 0.04 करोड़ रुपये कमाए. बैड न्यूज, उलझ और औरों में कहां दम था जैसी नई हिंदी रिलीजों के साथ-साथ हॉलीवुड की मार्वल की डेडपूल और वूल्वरिन से कॉम्पिटिशन के बावजूद, कल्कि ने अपना जलवा बरकरार रखा. फिल्म की अब तक की कुल कमाई 639.65 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी है. कल्कि 2898 एडी शाहरुख खान की ब्लॉकबस्टर जवान से आगे निकलने की तैयारी में है, जो फिलहाल 640.25 करोड़ रुपये की कमाई के साथ सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में चौथे नंबर पर है. कल्कि इस माइलस्टोन को छूने से सिर्फ 60 लाख रुपये दूर हैं, जिसके बाद प्रभास टॉप पांच सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में दो फिल्मों के एकमात्र अभिनेता बन सकते हैं. उनकी दूसरी फिल्म, बाहुबली 2: द कन्क्लूजन, 1030.42 करोड़ रुपये की कमाई के साथ लिस्ट में सबसे आगे है.

अहसास चन्ना ने ओटीटी शो हाफ सीए के सेट पर मनाया अपना जन्मदिन

गर्ल्स हॉस्टल, कोटा फैक्ट्री, मिसमैच्ड 2 और मॉडर्न लव मुंबई में नजर आईं अभिनेत्री अहसास चन्ना ने हाफ सीए के आगामी सीजन के सेट पर अपना 24वां जन्मदिन मनाया। हाफ सीए भारत में चार्टर्ड अकाउंटेंसी के छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों और अनुभवों पर आधारित है। अभिनेत्री ने बताया, मुझे अच्छा लगता है कि काम करते हुए मैं जन्मदिन मना रही हूं। अपने जन्मदिन पर वह करना जो आपको पसंद है, यह निश्चित रूप से खास होता है। मेरा मानना है कि अगर मैं अपने जन्मदिन पर शूटिंग कर रही हूं, तो मेरा बाकी साल व्यस्त रहेगा। अपने जन्मदिन पर अपना पसंदीदा काम करते हुए जश्न मनाना मुझे अच्छा लगा। हाफ सीए में अहसास ने आर्ची मेहता की भूमिका निभाई है, जो सीए बनने के इच्छुक छात्रों के संघर्ष, आकांक्षाओं और जटिल जीवन पर प्रकाश डालती है, क्योंकि वे चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने की चुनौतीपूर्ण यात्रा से गुजरते हैं। 5 अगस्त, 1999 को जन्मी अहसास पंजाबी फिल्म निर्माता इकबाल सिंह चन्ना और अभिनेत्री कुलबीर कौर बदेसरन की बेटी हैं। उन्होंने मुंबई विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। अहसास ने कभी अलविदा ना कहना, माई फ्रेंड गणेशा और फूंक जैसी फिल्मों में बतौर बाल कलाकार काम किया। वह सावधान इंडिया, क्राइम पेट्रोल, देवों के देव... महादेव और सीआईडी जैसे टेलीविजन शो में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में अहसास ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काफी काम किया है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। टीवीएफ के साथ किया काम भी सराहा गया है।